गोंय विद्यापीठ
ताळगांव पठार,
गोंय - ४०३ २०६
फोन : + ९१ - ८६६९६०९०४८

Goa University
Taleigao Plateau,Goa - 403 206
Tel : +91-8669609048
Email : registrar@unigoa.ac.in
Website : www.unigoa.ac.in

(Accredited by NAAC with Grade A+)

GU/Acad –PG/BoS -NEP/2025-26/641 Date: 15.12.2025

CIRCULAR

In supersession to the Circular No. GU/Acad –PG/BoS -NEP/2025-26/416 dated 25.09.2025, the syllabus of **Bachelor of Arts in Hindi** Programme attached with following changes:

- Change in categorization of Double Major Courses offered in Semester VI.

The Dean/ Vice-Dean (Academic) of the Shenoi Goembab School of Languages and Literature and the Principals of affiliated Colleges offering the **Bachelor of Arts in Hindi** Programme are requested to take note of the above and bring the contents of the Circular to the notice of all concerned.

ASHWIN VYAS LAWANDE
Digitally signed by ASHWIN VYAS LAWANDE
Date: 2025.12.15 14:39:08 +05'30'

(Ashwin V. Lawande)
Deputy Registrar – Academic

To,
1. The Dean, Shenoi Goembab School of Languages and Literature, Goa University.
2. The Vice-Dean (Academic), Shenoi Goembab School of Languages and Literature, Goa University.
3. The Principals of affiliated Colleges offering the Bachelor of Arts in Hindi Programme.

Copy to,
1. The Director, Directorate of Higher Education, Govt. of Goa
2. The Chairperson, BoS in Hindi.
3. The Controller of Examinations, Goa University.
4. The Assistant Registrar Examinations (UG), Goa University.
5. Directorate of Internal Quality Assurance, Goa University for uploading the Syllabus on the University website.

GOA UNIVERSITY

Programme Structure for Semester I to VIII Under Graduate Programme - Hindi										
Semester	**Major -Core**	**Minor**	**MC**	**AEC**	**SEC**	**I**	**D**	**VAC**	**Total Credits**	**Exit**
I	**HIN-100 हिंदी कहानी साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन (Hindi Story Literature: Introductory Study) (4)** (Major- A1 & Major- B1)	**HIN-111 हिंदी नाट्य साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन (Hindi Drama Literature:Introductory Study) (4)**	**HIN-131 आधुनिकहिंदी साहित्य की प्रमुख विधाएँ (Major Genres of Modern Hindi Literature) (3)**		**HIN-141 वृत्तचित्र लेखन एवं निर्माण (Documentary writing & Production) (1T+2P)**					
II			**HIN -132 सिनेमा में साहित्य (Literature in Film) (3)**		**HIN- 142 समाचार लेखन एवं प्रस्तुतिकरण (News Writing & Presentation) (1T+2P)**					**EXT-1 HIN-161 देवनागरी टाइपिंग (Devnagari Typing) (4)**

III	**HIN-200** **हिंदी गद्य: कथा साहित्य एवं एकांकी** **(Hindi Prose: Stories, Novel and One Act Play)** **(4)** (Major-A2) **HIN-201** **हिंदी काव्य 1960 तक** **(Hindi Poetry upto 1960)** **(4)** (Major-B2)	**HIN-211** **हिंदी गीत और गज़ल (Geet and Gazal)** **(4)**	**HIN-231** **लोकप्रिय संस्कृति और साहित्य** **(Popular Culture And Literature)** **(3)**	**HIN-251** **संप्रेषण कौशल** **(Communication Skill)** **(2)**	**HIN-241** **अनुवाद** **(Translation)** **(1T+2P)**					
IV	**HIN-202** **साठोत्तरी हिंदी काव्य (Hindi Poetry after 1960)** **(4)** (Major-B3)	**HIN-221** **प्रयोजनमूलक हिंदी** **(Functional Hindi)** **(V) (3T+1P)**		**HIN-252** **संभाषण कला** **(Sambhashan kala)** **(2)**						**EXT-2** **HIN-261 सूत्र-संचालन** **)Anchoring)** **(4)**

	HIN-203 **रचनाकार का विशेष अध्ययन** **(Study of Special Author: Bhishma Sahani)** **(4)** (Major-A3) **HIN-204** **लोकसाहित्य** **(Folk Literature)** **(4)** (Major-A4) **HIN-205** **हिंदी निबंध** **(Hindi Essay)** **(2)** (Major-A5)									

V	**HIN-300** **हिंदी साहित्य का इतिहास :आदिकाल से रीतिकाल तक** (**History of Hindi Literature :Aadikal to Ritikal)** **(4)** (Major-A6) **HIN-301** **अस्मितामूलक विमर्श** **(Identity-Based Discourse)** **(4)** (Major-A7) **HIN-302** **रचनात्मक लेखन** (**Creative Writing)** **(4)** (Major-B4)	**HIN-321** **जनसंचार एवं पत्रकारिता** **(Media And Journalism)** **(V) (3T+1P)**				**HIN-361** **Internship**				

	HIN-303 **हिंदी आत्मकथा साहित्य** **(HINDI AUTOBIOGRPHY LITERATURE)** **(2)** (Major- A8)									
VI	**HIN-304** **हिंदी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल** **(HISTORY OF HINDI LITERATURE: AADHUNIK KAL)** **(4)** (Major-A9) **HIN-305** **भारतीय साहित्य** **(Indian Literature)** **(4)** (Major- B5)	**HIN-322** **साहित्य और सिनेमा** **(Literature and Cinema)** **(V)** **(3T+1P)**								

	HIN-306 **साहित्य: विचार एवं दर्शन** **(Literature : Thought and Philosophy)** **(4)** (Major-B6) **HIN-307** **प्रकल्प कार्य** **(Project Work)** **(4)** (Major-A10)									
VII	**HIN-400** **भाषा विज्ञान** **(Linguistics)** **(4)** (Major-A11) **HIN-401** **मध्यकालीन काव्य: व्यावहारिक समीक्षा**	**HIN-411** **मध्यकालीन काव्य: व्यावहारिक समीक्षा** (**Medieval Poetry : Practical Criticism)** **(4)**								

	(**Medieval Poetry : Practical Criticism)** **(4)** (Major-A12) **HIN-402** **भारतीय काव्यशास्त्र** (**Indian Poetics)** **(4)** (Major-B7) **HIN-403** **शोध प्रविधि** (**Research Methodology)** **(4)** (Major-B8)									
VIII	**HIN-404** **हिंदी भाषा लिपि एवं व्याकरण** (**Hindi Language : Script and Grammar)** **(4)** (Major-B9)	**HIN-412** **समकालीन हिंदी काव्य:व्यावहारिक समीक्षा** (**Contemporary Hindi Poetry : Practical Criticism)**					**Dissertation HIN-462**			

	HIN-405 **पाश्चात्यकाव्यशास्त्र** (**Western Poetics) (4)** (Major-A13) **HIN-406** **आलोचक और अलोचना** **(Critics and Criticism)** **(4)** (Major- A14) **HIN-407** **नाटक एवं रंगमंच** (**Drame and Theatre)** **(4)** (Major-B10)	**(4)**								

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी**

पाठ्यक्रम : **HIN-100**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **हिंदी कहानी साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन**
(Hindi Story Literature: Introductory Study)

श्रेयांक : **04**

शैक्षिक वर्ष से लागू : **2023-24**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वपेक्षित	हिंदी भाषा की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	
उद्देश्य	1. हिंदी कहानी के प्रति रुचि बढ़ाना। 2. कहानी साहित्य की अवधारणा और स्वरूप से अवगत कराना। 3. हिंदी कहानिकारों तथा उनकी कहानियों से परिचित कराना। 4. श्रवण, पठन और लेखन क्षमताओं को विकसित करना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1.कहानी : अवधारणा एवं स्वरूप ● **हिंदी के प्रमुख कहानीकार : सामान्य परिचय** आचार्यरामचन्द्र शुक्ल,प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, अज्ञेय, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, मोहन राकेश,राजेंद्र यादव, कमलेश्वर,निर्मल वर्मा, उषा प्रियंवदा, ज्ञानरंजन, सूर्यबाला, उदय प्रकाश, गिरिराज किशोर।	**15**
	2.प्रेमचंद पूर्व और प्रेमचंद युगीन कहानी ● ग्यारह वर्ष का समय- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ● पूस की रात-प्रेमचंद ● पुरस्कार- जयशंकर प्रसाद ● कवि का प्रायश्चित-सुदर्शन	**15**
	3.प्रेमचंदोत्तर कहानी ● पंचलाइट- फणीश्वरनाथ रेणु ● वारिस- मोहन राकेश ● मेहमान-राजेन्द्र यादव ● कसबे का आदमी-कमलेश्वर	**15**
	4.समकालीन कहानी ● भाग्यरेखा-भीष्म साहनी ● हंसा जाई अकेला-मार्कण्डेय ● यहीं तक-राजी सेठ ● अब उठूँगी राख से-जया जादवानी	**15**
अध्यापन पद्धति	अतिथि व्याख्यान, चर्चा, कार्यशाला, दृश्य श्रव्य प्रस्तुतीकरण, व्यावहारिक प्रयोग, अध्ययन भ्रमण	

संदर्भ ग्रंथ सूची	1. श्रीवास्तव, परमानन्द, हिंदी कहानी की रचना-प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012 2. त्रिपाठी, विश्वनाथ, कुछ कहानियाँ : कुछ विचार, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली, 2015 3. मधुरेश, हिंदी कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2014 4. मिश्र, रामदरश, हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014 5. राय, गोपाल, हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली, 2016 6. शर्मा, रामविलास, प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2016
अधिगम परिणाम	1. हिंदी कहानी के प्रति रुचि बढ़ेगी। 2. कहानी की अवधारणा और स्वरूप से परिचित होंगे। 3. हिंदी के प्रमुख कहानीकार तथा उनकी कहानियों से अवगत हो सकेंगे। 4. सृजनशीलता विकसित होगी।

कार्यक्रम : **स्नातकहिंदी**

पाठ्यक्रम : **HIN-111**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : हिंदी नाट्य साहित्य: परिचयात्मक अध्ययन
(Hindi Drama Literature: Introductory Study)

श्रेयांक : **04 (60)**

शैक्षणिक वर्ष से लागू : **2023-24**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी साहित्य का परिचयात्मक ज्ञान होना अपेक्षित है।	
उद्देश्य	1. आधुनिक नाटक के प्रति रुचि जागृत करना। 2. हिंदी नाटक काअध्ययन करना। 3. हिंदी नाटक की प्रक्रिया तथा प्रवृत्तियों का विवेचन तथा विश्लेष्ण करना। 4. रचना के माध्यम से मानवीय मूल्यों को विकसित करना।	
पाठ्यविषय		**घंटे**
	1.नाटक : अवधारणा एवं स्वरूप ● नाटक के तत्त्व ● प्रमुख हिंदी नाटककार : सामान्य परिचय ● भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, उपेंद्रनाथ अश्क,धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण लाल, मोहन राकेश, सुरेंद्र वर्मा, शंकर शेष, मणि मधुकर, हबीब तनवीर,असग़र वजाहत, मीरा कांत	**15**
	2. स्वतंत्रतापूर्व हिंदी नाटक ● छठा बेटा – उपेंद्रनाथ अश्क	**15**
	3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक ● बकरी - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना	**15**
	4.21वीं सदी काहिंदी नाटक ● सकुबाई- नादिरा बब्बर	**15**
अध्यापनविधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति, कार्यशाला	
आधार ग्रंथ	1. अश्क,उपेंद्रनाथ-छठा बेटा, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद, 1940 2. बब्बर, नादिरा जहिर – सकुबाई, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2008 3. सक्सेना,सर्वेश्वरदयाल -बकरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1974	
संदर्भग्रंथसूची	1. ओझा, दशरथ, हिंदी नाटक : उद्भव और विकास,राजपालप्रकाशन, नयी दिल्ली,2017 2. चातक, गोविंद, हिंदी नाटक : इतिहास के सोपान, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली,2002 3. रस्तोगी, गिरिश, बीसवीं शताब्दी का हिंदी नाटक और रंगमंच,ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2018	

	4. तनेजा, जयदेव, समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली,2002 5. तनेजा, जयदेव, हिंदी नाटक : आज तक, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली,
अधिगमपरिणाम	1. हिंदी नाट्य साहित्य के प्रति रुचि जागृत होगी। 2. हिंदी नाटक कीप्रवृत्तियों का विवेचन तथा विश्लेषण कर सकेंगे। 3. चयनित नाटकों का अध्ययन एवं विश्लेषण कर सकेंगे। 4. रचना के माध्यम से मानवीय मूल्यों से परिचित होंगे।

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी**

पाठ्यक्रम : **HIN-131**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाएँ**
(Major Genres of Modern Hindi Literature)

श्रेयांक : **03**

शैक्षिक वर्ष से लागू : **2023-2024**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	**हिंदी भाषा की सामान्य जानकारी होना अपेक्षित है।**	
उद्देश्य	1. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाओं के प्रति रुचि जागृत करना। 2. प्रमुख रचनाओं के माध्यम से विचार-विमर्श के लिए प्रेरित करना। 3. रचनात्मक लेखन के लिए प्रेरित करना। 4. रचनाओं के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित कराना।	
		घंटे
पाठ्य विषय	**1. कविता** ● **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला** – भिक्षुक ● **हरिवंशराय बच्चन** – नीड़ का निर्माण ● **केदारनाथ सिंह** – ऊँचाई ● **दुष्यंत कुमार** – इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है ● **अरुण कमल** – धार ● **नीलेश रघुवंशी** – हंडा	**15**
	2. कहानी ● **प्रेमचंद** – सद्गति ● **फ़णीश्वरनाथ रेणु** – जड़ाऊ मुखड़ा ● **मैत्रेयी पुष्पा** - फैसला **3. निबंध** ● **प्रताप नारायण मिश्र** – एक ● **कुबेरनाथ राय** – कुब्जा-सुंदरी ● ***ह*रिशंकर परसाई** – पगडंडियों का ज़माना	**15**
	4. नाट्यांश एवं एकांकी ● शंकर शेष - रक्तबीज (अंक 1) ● जगदीशचंद्र माथुर – रीढ़ की हड्डी	**15**
अध्यापन पध्दति	व्याख़्यान, कार्यशाला, संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1. ओझा, दशरथ: हिंदी नाटक : उद्भव और विकास, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 2013	

	2. गोपालराय : हिंदी कहानी का इतिहास भाग – 1,2,3, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 3. नगेंद्र : आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली सं. 1979 4. मधुरेश : हिंदी कहानी का विकास, सुमति प्रकाशन, इलाहबाद 2014 5. सिंह, नामवर: आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद सं. 1991 6. सिंह, नामवर : कहानी नई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद, सं. 1992
अधिगम परिणाम	1. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रमुख विधाओं की जानकारी प्राप्त होगी। 2. रचना के माध्यम से विचार-विमर्श करना सीखेंगे। 3. रचनात्मक लेखन के लिए प्रेरित होंगे । 4. रचना के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित होंगे।

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी**

पाठ्यक्रम : **HIN-141**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **वृत्तचित्र लेखन एवं निर्माण (Documentary writing & Production)**

श्रेयांक : **03**

शैक्षिक वर्ष से लागू : **2023-24**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	वृत्तचित्र में रूचि होना आवश्यक है।	
उद्देश्य	1. वृत्तचित्र की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित करना। 2. वृत्तचित्र का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3. वृत्तचित्र की प्रक्रिया को समझाना । 4. वृत्तचित्र का निर्माण कराना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. वृत्तचित्र लेखन ● **अवधारणा, स्वरूप,एवं महत्व**। ● वृत्तचित्र लेखन परंपरा। ● वृत्तचित्र लेखन के प्रकार	**15**
	2. वृत्तचित्र निर्माण: व्यावहारिक प्रयोग ● विषय निर्धारण ● विषय के अनुसार स्क्रिप्ट लेखन ● पात्र संयोजन ● शूटिंग सारणी ● संकलन ● वॉयसओवर ● संगीत ● कैमेरा का संचालन	**30**
	3.वृत्तचित्र निर्माण: व्यावहारिक प्रयोग ● किसी एक विषय पर दस मिनट का वृत्तचित्र निर्माण एवं प्रस्तुति ।	**30**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, कार्यशाला, संगोष्ठी, दृश्य- श्रव्य प्रस्तुति, स्टुडिओ।	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1. मिश्र, डॉ चंद्रप्रकाश, मीडिया लेखन – सिद्धांत और व्यवहार-, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली भारत, 2013 2. डॉ राहुल भदाणे, मीडिया लेखन, प्रशांत प्रकाशन, 3- प्रताप नगर, ज्ञानेश्वरमार्ग, जलगांव- 425001, 2020 3. सुशील गौतम, वृत्तचित्र लेखन एवं फ़िल्म तकनीक, Publication Division Ministry of I &B, 2016	

	4. प्रो॰ सूर्यप्रसाद दीक्षित, डॉ पवन अग्रवाल, मीडिया लेखन –कला, वाल्मिकी मार्ग, लखनऊ , 226001 न्यू रॉयल बुक कंपनी. 5. रवींद्र कात्यायन, मीडिया लेखन एवं फ़िल्म विमर्श, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद -201102, 2018 6. मुकुल श्रीवास्तव, सूचना, संचार और समाचार, वाल्मिकी मार्ग, लखनऊ , 226001 न्यू रॉयल बुक कंपनी.
अधिगम परिणाम	1. वृत्तचित्र की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे। 2. वृत्तचित्र की रचनात्मक अंतर्दृष्टि को समझेंगे। 3. वृत्तचित्र निर्माण की प्रक्रिया से अवगत होंगे। 4. वृत्तचित्र के विभिन्न दृष्टिकोणों से परिचित होंगे।

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी**

पाठ्यक्रम : **HIN-132**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **सिनेमा में साहित्य (**Literature in Film**)**

श्रेयांक : **03 (45)**

शैक्षिक वर्ष से लागू : **2023-24**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	सिनेमा और उसके अध्ययन में रुचि होना अपेक्षित।	
उद्देश्य	1. सिनेमा और साहित्य के स्वरूप से परिचित कराना। 2. सिनेमा और साहित्य के अंतःसंबंध को जानना। 3. सिनेमा में प्रयुक्त साहित्य के विविध रूपों से अवगत कराना। 4. फिल्म लेखन से जुड़े चुनिंदा रचनाकारों से परिचित होना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. सिनेमा और साहित्य ● साहित्य का स्वरूप ● सिनेमा का स्वरूप ● साहित्य और सिनेमा का अंतःसंबंध ● सिनेमा में साहित्य- कथा, पटकथा, संवाद, गीत ● फिल्म समीक्षा	**15**
	2.हिंदी सिनेमा में साहित्य ● तीसरी कसम ● प्यासा (कथा, पटकथा, संवाद, गीत के संदर्भ में अध्ययन)	**15**
	3.फिल्म लेखन से जुड़े चुनिंदा रचनाकार ● गुलज़ार ● सलीम-जावेद ● अनुराग कश्यप ● अमिताभ भट्टाचार्य	**15**
अध्यापन विधि	व्याख़्यान, कार्यशाला, संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1. अख़्तर,जावेद,सिनेमा के बारेमें,राजकलम प्रकाशन,2008 2. ओझा अनुपम,भारतीय सिने सिद्धांत,राधाकृष्ण प्रकाशन,2009 3. भारद्वाज,विनोद,सिनेमा कल,आजऔर कल,हिंदीबूक सेंटर,2006 4. राजावत,सिंह,नारायण,हिंदी सिनेमाके सौ वर्ष,भारतीय पुस्तकपरिषद,2009	
अधिगम परिणाम	1. सिनेमा और साहित्य के स्वरूप से परिचित होंगे। 2. सिनेमा और साहित्य के अंतःसंबंध को जानेंगे। 3. सिनेमा में प्रयुक्त साहित्य के विविध रूपों से अवगत होंगे।	

	4. फिल्म लेखन से जुड़े चुनिंदा रचनाकारों से परिचित होंगे।

कार्यक्रमः **: स्नातक हिंदी**

पाठ्यक्रम **: HIN-142**

पाठ्यक्रम का शीर्षक **: समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण (**News Writing & Presentation**)**

श्रेयांकः **: 03 (1 Theory +2 Practical)**

शैक्षिक वर्ष से लागू **: 2023-24**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	पत्रकारिता में रुचि होना आवश्यक है।	
उद्देश्य	1. समाचार संकलन की अवधारणा से परिचित कराना । 2. समाचार संकलन एवं लेखन के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना। 3. समाचार लेखन संबंधी विभिन्न माध्यमों का प्रशिक्षण देना। 4. संचार माध्यमों के लिए समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण में सक्षम बनाना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. समाचार संकलन : ● समाचार लेखन : संकल्पना एवं स्वरूप (तत्व और प्रकार) ● मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के समाचार : विशेषताएं एवं अंतर ● समाचारों के विभिन्न स्रोत ● समाचार-लेखन प्रक्रिया(मुद्रित एवं इलेक्ट्रॉनिक)	**15**
	2. मुद्रित समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण ● मुद्रित समाचार आलेखन ● पूर्णकालिक, अंशकालिक एवं फ्रीलांसर स्वरूप में समाचार लेखन ● सम्पादन ● समाचार संस्थानों को भेंट	**30**
	3.मुद्रित-इलेक्ट्रॉनिक समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण ● रेडियो समाचार लेखन – संकलन -सम्पादन, अनुवाद , बुलेटिन निर्माण एवं प्रस्तुति ● दूरदर्शन समाचार लेखन, सम्पादन, अनुवाद एवं प्रस्तुति	**30**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, दृकश्राव्य प्रस्तुति, समाचार पत्र के दफ्तर, आकाशवाणी केंद्र, दूरदर्शन केंद्र, या अन्य चैनल के केंद्र को भेट, प्रत्यक्ष समाचार लेखन ।	
संदर्भ ग्रंथ सूची	1. अग्रवाल, सुरेश : जनसंचार माध्यम, नमन प्रकाशन दिल्ली, 2005 2. हरिमोहन: समाचार फीचर लेखन एवं संपादन कला अकादमिक प्रतिभा, दिल्ली, 2003 3. पंत, एन सी.: मीडिया लेखन के सिद्धांत, जवाहर पुस्तकालय मथुरा, 2009	
अधिगम परिणाम	1. समाचार संकलन की अवधारणा से परिचित होंगे। 2. समाचार संकलन एवं लेखन के सैद्धांतिक पक्ष से अवगतहोंगे।	

	3. समाचार लेखन का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे । 4. संचार माध्यमों के लिए समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण में सक्षम होंगे।

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी**

पाठ्यक्रम : **HIN-161**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **देवनागरी टाइपिंग (Devnagari Typing)**

श्रेयांक : **04**

शैक्षणिक वर्ष से लागू : **2023 -24**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	संगणक का ज्ञान होना अपेक्षित है।	
उद्देश्य	**1.** विद्यार्थी को टाइपिंग के सामान्य ज्ञान से परिचित कराना। **2.** बुनियादी टाइपिंग कौशल से परिचित कराना। **3.** इंटरमीडिएट टाइपिंग से अवगत करना। **4.** हिंदी के विभिन्न टाइपिंग सॉफ़्टवेयरों का ज्ञान देना।	
पाठ्यविषय		**घंटे**
	1. **देवनागरी टाइपिंग परिचय :** • देवनागरी लिपि का परिचय। • व्याकरण एवं विराम चिह्न (सामान्य ज्ञान) • कुंजीपटल (की -बोर्ड का परिचय।) • टाइपिंग का बुनियादी स्थल।	**15**
	2. **देवनागरी टाइपिंग बुनियादी :टाइपिंग कौशल** • अक्षर और व्यंजन। • स्वर और मात्राएँ। • शब्द निर्माण। • यूनीकोड: परिचय एवं प्रयोग • इनस्क्रिप्ट और फ़ोनेटिक टाइपिंग।	**15**
	3. **देवनागरी टाइपिंगइंटर:मीडिएट टाइपिंग कौशल** • वाक्य निर्माण। • समयबद्ध टाइपिंग अभ्यास। • त्रुटि विश्लेषण एवं सुधार।	**15**
	4. **देवनागरी टाइपिंग:उन्नतटाइपिंग कौशल** • अनुच्छेद का टाइपिंग। • हिंदी के विभिन्न टाइपिंग सॉफ़्टवेयरों का प्रयोग। • कार्यविशिष्ट टाइपिंग।	**15**
अध्यापन विधि	व्याख्यान,संगोष्ठी, दृश्यश्रव्य प्रस्तुति -, पी॰पी॰टी॰ प्रस्तुति।	
संदर्भ ग्रंथ	**1.** श्वेता अग्रवाल, कम्प्यूटर जागृकता, अरीहन्त प्रकाशन, दिल्ली **2.** रमा शर्मा, ए.के. मिश्र,कम्प्यूटर शिक्षण, अभय प्रकाशन,2016 **3.** विनय कुमार ओझा,कम्प्यूटर एक परिचय,मंथन प्रकाशन, दिल्ली, 2021 **4.** सीमा पारीक, इंटरनेट एण्ड वेब डिजीइन, अभय प्रकाशन	

	5. देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, 2016, 2019.
अधिगम परिणाम	**1.** विद्यार्थी टाइपिंग के सामान्य ज्ञान से परिचित होंगे। **2.** बुनियादी टाइपिंग कौशल से परिचित होंगे। **3.** इंटरमीडिएट टाइपिंग से अवगत होंगे। **4.** हिंदी के विभिन्न टाइपिंगसॉफ़्टवेयरों से परिचित होंगे।

सत्र : III

कार्यक्रम : स्नातक हिंदी

पाठ्यक्रम : HIN-200

पाठ्यक्रम का शीर्षक : हिंदी गद्य: कथा साहित्य एवं एकांकी
(Hindi Prose: Stories, Novel and One Act Play)

श्रेयांक : 04

शैक्षणिक वर्ष से लागू : 2024-25

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी साहित्य कासामान्य ज्ञान होना अपेक्षित है।	
उद्देश्य	1. गद्य साहित्य के आरंभिक इतिहास से परिचित कराना। 2. कहानी, उपन्यास एवं एकांकी का अध्ययन कराना । 3. प्रमुख रचनाओं के माध्यम से विचार- विमर्श के लिए प्रेरितकरना। 4. रचनाओं के माध्यम से मानवीय मूल्यों से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय		घंटे
	1.हिंदी गद्य साहित्य का आरंभिक इतिहास • खड़ीबोली का विकास। • अंग्रेजों की शिक्षा नीति । • प्रेस का योगदान । • गद्य के निर्माण में ईसाई मिशनरियों की भूमिका।	15
	2.कहानी • मुक्तिमार्ग -प्रेमचन्द • मूल्य - आचार्य चतुरसेन शास्त्री • परदा -यशपाल • एटम बम-अमृतलाल नागर • सजा – मन्नू भंडारी	15
	3.उपन्यास • पचपन खंभे लाल दिवारें - उषा प्रियंवदा	15
	4.एकांकी • अंडे के छिलके - मोहन राकेश	15
आधार ग्रंथ	1. पचपन खंभे लाल दिवारें- उषा प्रियंवदा, राजकमल प्रकाशन, सं., दिल्ली, 2009। 2. अंडे के छिलके- मोहन राकेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1973 ।	
अध्यापन पद्धति	व्याख्यान, कार्यशाला, संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा, दृश्य- श्रव्य प्रस्तुति	
संदर्भ ग्रंथ	1. शुक्ल, रामचन्द्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, हिंदी काशी नगरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी	

	2. गुप्त गणपतिचंद्र, हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद. 3. तिवारी, रामचन्द्र, गद्य साहित्य, विद्यापीठ प्रकाशन, 2009 4. राय गोपाल, हिंदी कहानी का इतिहास भाग 1और 2, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली, 2016
अधिगम परिणाम	1. हिंदी गद्य साहित्य के आरंभिक इतिहास से परिचित होंगे। 2. कहानी, उपन्यास एवं एकांकी का अध्ययन करेंगे। 3. प्रमुख रचनाओं के माध्यम से विचार- विमर्श के लिए प्रेरित होंगे। 4. रचनाओं के माध्यम से मानवीय मूल्यों से परिचित होंगे।

कार्यक्रम : **स्नातकहिंदी MAJOR COURSE**

पाठ्यक्रम : **HIN - 201**

पाठ्यक्रमकाशीर्षक : **हिंदीकाव्य (1960 तक) (Hindi Poetry upto 1960)**

श्रेयांक : **04**

शैक्षणिकवर्षसेलागू : **2024-2025**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी काव्य की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	
उद्देश्य	1. हिंदी काव्य के प्रति रुचि बढ़ाना। 2. काव्य के विविध रूपों और कवियों से परिचित कराना। 3. काव्य के माध्यम से विविध सामाजिक सरोकारों के विश्लेषण की क्षमता विकसित करना। 4. काव्य श्रवण, पठन और लेखन-कौशल एवं सर्जन शीलता को विकसित कराना।	
	1.	**घंटे**
पाठ्यविषय	**2. आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य** • **विद्यापति के पद** - देख- देख- राधा- रूप अपार - आओल ऋतुपति- राजा बसंत • **कबीर के दोहे** कस्तूरीकुण्डलिबसै-, मृगढूँढेबनमाहि। दुर्लभमानुषजन्महै-, देहनबारम्बार। गुरुकुम्हारसिसकुंभहै-, गढ़-गढ़काढ़े खोट धीरे--धीरेरेमना, धीरेसबकुछहोय। जाती नपुछोसाधु की, पूछलीजियेज्ञान। • **गोस्वामी तुलसीदास– रामचरितमानस** रावनुरथीबिरथ-रघुबीरा।देखिबिभिषनभयउअधीरा दैहिकदैविकभौतिकतापा।रामराजनहिंकाहुहिब्यापा।- • **मीराबाई केपद** बरजोरीम्हांस्यामबिणानरहयाँ- मीरामगनभईहरिकेगुणगाय-	**15**
	3. रीतिकालीन काव्य • **बिहारी के दोहे** कागदपरनलिखतनबनत-, क़हतसंदेसुलजात। लिखनबैठिजाकीसबी-, गहिगहिगरबगरूर जौचाहतचटकनघटे-, मैलोहोइनमित्त। संगतिसुमतिनपावहींपरेकुमतिकैधंध।-	**15**

	मेरीभवबाधाहरौ, राधानागरिसोइ। • **घनानन्द** अतिसूधोसनेहकोमारगहैजहाँनेकुसयानपबाँकनहीं।- महीदूधसमगनबक भेद न जानै। • **भूषण** इंद्रजिमजंभपरबाड़वज्यौंअंभपर- चोरीमनमें ठगोरीरूपहीमेंरहीनाहीं-	
	4. स्वतंत्रतापूर्व काव्य • सखि, वे मुझ से कह कर जाते –**मैथिली शरण गुप्त** • ठुकरा दो या प्यार करो- **सुभद्रा कुमारी चौहान** • बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु- **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'** • पुष्प की अभिलाषा –**माखन लाल चतुर्वेदी** • तब समझूँगा आया वसंत –**शिवमंगल सिंह'सुमन'** • जो बीत गई सो बात गई- **हरिवंशराय बच्चन**	**15**
	5. स्वातंत्र्योत्तर काव्य (सन् 1960 तक) • अकाल और उसके बाद-**नागार्जुन** • मुझे कदम कदम पर - **मुक्तिबोध** • केतकी पूनो - **अज्ञेय** • गीतफरोश- **भवानीप्रसादमिश्र** • विदेह -**भारतभूषण अग्रवाल** • गुनाह का गीत- **धर्मवीर भारती**	**15**
अध्यापनविधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, काव्य प्रस्तुति, कार्यशाला।	
संदर्भग्रंथ	1. राम किशोर शर्मा, आधुनिक कवि, लोक भारती प्रकाशन 2. डॉ. नगेंद्र आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियां,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली,सं. 1979 3. डॉ. हरदयाल: आधुनिक हिंदी कविता,शब्दकार,दिल्ली,सं.1993 4. सं.लीलाधर मंडलोई : कविता के सौबरस,शिल्पायन प्रकाशन,नई दिल्ली,सं. 2013 5. परमानंद श्रीवस्तव : कविता का अर्थात,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली,सं. 2008 6. बच्चनसिंह : हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली,सं. 2017	
अधिगम परिणाम	1. हिंदी काव्य के प्रति रुचि बढ़ेगी। 2. काव्य के विविध रूपों और कवियों से परिचित होंगे। 3. काव्य के माध्यम से विविध सामाजिक सरोकारों के विश्लेषण की क्षमता विकसित कर सकेंगे। 4. काव्य श्रवण, पठन और लेखन कौशल एवं सर्जनशीलता विकसित होगी।	

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी MINOR COURSE**

पाठ्यक्रम : **HIN-211**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **गीत और ग़ज़ल (Geet and Gazal)**

श्रेयांक : **04**

शैक्षणिक वर्ष से लागू : **2024-2025**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	**Nil**	
उद्देश्य	1. गीत एवं ग़ज़ल की संकल्पना एवं स्वरूप से परिचित कराना। 2. विभिन्न रचनाकारों के गीतों एवं ग़ज़लों से अवगत कराना । 3. गीत एवं ग़ज़ल की रूचि में अभिवृद्धि कराना । 4. गीत एवं ग़ज़लों के विश्लेषण की क्षमता विकसित कराना ।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. गीत • गीत : संकल्पना एवं स्वरूप • गीत : विकास परंपरा • गीत : विविध प्रकार	**10**
	2. चयनित गीत : • न तुम सो रही हो, न मैं सो रहा हूँ -हरिवंशराय बच्चन • आदमी का आकाश... - रामावतार त्यागी • कारवाँ गुजर गया... -गोपालदास सक्सेना 'नीरज' • कल हमारा है....-.शैलेन्द्र • ऐ मेरे वतन के लोगों - प्रदीप (रामचन्द्र नारायणजी द्विवेदी) • रहे ना रहे हम महका करेंगे...- मजरूह सुल्तानपुरी • ज़िंदगी एक सफर है सुहाना- हसरत जयपुरी • आदमी मुसाफिर है, आता है जाता -आनंद बक्षी	**20**
	3. ग़ज़ल ● ग़ज़ल : संकल्पना एवं स्वरूप ● ग़ज़ल : विकास परंपरा ● ग़ज़ल : विविध प्रकार	**10**
	4. चयनित ग़ज़ल : • मैं चमारों की गली तक ले चलूगाँ तुम्हें- अदम गोंड़वी • अपने दिल का हाल यारों- शमशेर बहादुर सिंह • कहाँ तो तय था चिराग़ाँ हर एक घर के लिए-दुष्यंतकुमार • सपने अनेक थे तो मिले स्वप्न -फल अनेक -ज़हीर कुरेशी • गरम रोटी पर नमक और तेल- अनूप वशिष्ठ • अमृतकण -प्रकाश भोसले	**20**

	• तुमको देखा तो ये ख़याल आया -जावेद अख़्तर • तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो - कैफ़ी आज़मी	
अध्यापन पध्दति	दृश्य श्रव्य प्रस्तुतीकरण, चर्चा, अतिथि व्याख्यान, व्यावहारिक प्रयोग	
संदर्भ ग्रंथ	**1.** कौशिक, शिवशरण, हिंदी गीत और ग़ज़ल का समकालीन परिदृश्य, अध्ययन पब्लिशर्स, दिल्ली,2011 **2.** डॉ. विमल : हिंदी चित्रपट एवं संगीत का इतिहास, संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2010 **3.** अस्थाना, रोहिताश्व,हिंदी ग़ज़ल उद्भव और विकास, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 2010 **4.** सं. कमलेश्वर :हिन्दुस्तानी ग़ज़लें, राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली, 2010 **5.** डॉ. सादिक़ा असलम नवाब 'सहर': साठोत्तरी हिंदी ग़ज़ल : शिल्प एवं संवेदना, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली, 2007 **6.** ड़ॉ सरदार मुजावर- राष्ट्रीय एकता और हिंदी ग़ज़ल, वाणी प्रकाशन, 2002 **7.** ड़ॉ सरदार मुजावर- हिंदी ग़ज़ल के विविध आयाम, वाणी प्रकाशन, 2003 **8.** डॉ. मधु खराटे : साठोत्तरी हिंदी ग़ज़ल, विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2002 **9.** डॉ. मधु खराटे : हिंदी ग़ज़ल के प्रमुख हस्ताक्षर, विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2012 **10.** डॉ. मधु खराटे : दुष्यंतोत्तर हिंदी ग़ज़ल, विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2013	
अधिगम परिणाम	**1.** गीत एवं ग़ज़ल की संकल्पना एवं स्वरूप से परिचित होंगे। **2.** विभिन्न रचनाकारों के गीतों एवं ग़ज़लों से अवगत होंगे । **3.** गीत एवं ग़ज़ल की रूचि में अभिवृद्धि होंगी । **4.** गीत एवं ग़ज़लों के विश्लेषण की क्षमता विकसित होंगी ।	

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी**

पाठ्यक्रम : **HIN- 231**

पाठ्यक्रमका शीर्षक : **लोकप्रिय संस्कृति और साहित्य (Popular Culture And Literature**

श्रेयांक : **03**

शैक्षणिक वर्ष : **2024-2025**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	**Nil**	
उद्देश्य	1. लोकप्रिय संस्कृति की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित कराना। 2. लोकप्रिय संस्कृति और साहित्य की विशेषताओं से अवगत कराना। 3. लोकप्रिय संस्कृति के विभिन्न रूपों से परिचित कराना। 4. लोकप्रिय साहित्य और साहित्यकारों से अवगत कराना।	
पाठ्यविषय		**घंटे**
	1.लोकप्रिय संस्कृति और साहित्य: अवधारणा और स्वरूप • लोकप्रिय संस्कृति की अवधारणा • लोकप्रिय साहित्य की अवधारणा • लोकप्रिय संस्कृति की विशेषताएँ • लोकप्रिय साहित्य की विशेषताएँ	**15**
	2.लोकप्रिय संस्कृति के विभिन्न रूप • पॉप संस्कृति • रॅप संस्कृति • दास्ताँ गोई • सामूहिक गीत • स्टैंड- अप कॉमेडी • रिमिक्स गीत	**15**
	3.लोकप्रिय साहित्यकार और साहित्य • कटी पतंग- गुलशन नंदा • लंबे हाथ- सुरेन्द्र मोहन पाठक • खौफनाक इमारत- इब्ने शफी बीए • मसाला चाय -दिव्यप्रकाश दुबे	**15**
अध्यापनविधि	व्याख़्यान,संगोष्ठी,सामूहिक चर्चा,दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतिकरण	
संदर्भ ग्रंथ	1. पॉपुलर कल्चर की विसंगतियाँ समकालीन कथा-साहित्य में- निषा पी., विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2018 2. उत्तर आधुनिकता की ओर- कृष्णदत्त पालीवाल, आर्य प्रकाशन मंडल, गांदीनगर, दिल्ली, 2007 3. संस्कृति की उत्तरकथा- शंभुनाथ, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 2000	
अधिगमपरिणाम	1. लोकप्रिय संस्कृति की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे।	

	2. लोकप्रिय संस्कृति और साहित्य की विशेषताओं से अवगत होंगे। **3.** लोकप्रिय संस्कृति के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे। **4.** लोकप्रिय साहित्य और साहित्यकारों से अवगत होंगे।

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी Ability Enhancement Course (AEC)**

पाठ्यक्रम : **HIN- 251**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **सम्प्रेषण कौशल(Communication Skill)**

श्रेयांक : **02**

शैक्षणिक वर्ष : **2024-2025**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी भाषा का ज्ञान होना अपेक्षित है|	
उद्देश्य	1. संप्रेषण कौशल विकसित करना| 2. प्रभावशाली संप्रेषण कौशल विकसित करना| 3. भाषागत आत्मविश्वास बढ़ाना| 4. व्यक्तित्व का विकास करना|	
विषयवस्तु		**घंटे**
	1. भाषिक संप्रेषण :स्वरूप और सिद्धांत • संप्रेषण: अवधारणा एवं महत्व • संप्रेषण की प्रक्रिया • संप्रेषण के विभिन्न प्रकार एवं साधन • संप्रेषण की चुनौतियां	**15**
	2. संप्रेषण के माध्यम :व्यावहारिक प्रयोग • **संप्रेषण कौशल** : श्रवण कौशल,पठन कौशल,आंगिक एवं वाचिक भाषा कौशल • एकालाप,संवाद,बातचीत,सामूहिक चर्चा , बैठक , साक्षात्कार ,मीडिया कवरेज • नाट्यवाचन,कविता वाचन,कहानी वाचन, सिनेमा - संवाद प्रस्तुति • संवाद कौशल के जरिए व्यक्तित्व विकास	**15**
अध्यापन विधि	व्याख्यान,सामूहिक चर्चा,दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतिकरण,शैक्षिक भ्रमण ,कार्यशाला , व्यावहारिक प्रयोग	
सन्दर्भ- ग्रंथ	**1.** डॉ.अवनीश कुमार मिश्रा , डॉ.प्रवीन कुमार अग्रवाल, संप्रेषण कौशल, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स ,२०२२ **2.** डॉ. मंजु मुकुल, संप्रेषण:चिंतन और दक्षता शिवालिकप्रकाशन ,दिल्ली ,२०१७ **3.** रमेश सनवाल , बोलचाल की कौशल कला: किंडलएडिशन, २०१९ **4.** डॉ. विनोद मिश्र , डॉ. नरेंद्र शुक्ल मिश्र ,व्यावसायिक सम्प्रेषण, संजय साहित्य भवन **5.** सुरेश कुमार , संप्रेषण व्याकरण :सिद्धांत और स्वरूप ,२०१९	

	6. हंसराज पाल और डॉ. मंजुलता शर्मा, व्यावसायिक संप्रेषण, हिंदी माध्यम कार्यान्वय, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रकाशन, २०१२ **7.** वैश्ना वारंग, संप्रेषणपरक हिंदी भाषा शिक्षण, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली 2022 **8.** डॉ. प्रवीण अग्रवाल, अवीनाश कुमार मिश्र, संप्रेषण कौशल, साहित्य भवन पब्लिकेशन, दिल्ली
अधिगम परिणाम	**1.** संप्रेषण कौशल और नेतृत्व की क्षमता का विकास होगा| **2.** रोज़गार के अच्छे अवसर प्राप्त कर सकेंगे| **3.** भाषा में प्रभावशाली ढंग से विचारों का आदान-प्रदान कर सकेंगे | **4.** सामूहिक संघ की भावना बढ़ेगी|

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी**

पाठ्यकक्रम : **HIN- 241**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **अनुवाद (Translation) (1 Theory+2 Practicals)**

श्रेयांक : **03**

शैक्षिक वर्ष से लागू : **2024-25**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	दो भाषाओं का ज्ञान होना अपेक्षित है।	
उद्देश्य	**1.** अनुवाद स्वरूप एवं प्रकारों से अवगत कराना। **2.** अनुवादक के गुणों से परिचित कराना। **3.** अनुवाद प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कराना। **4.** अनुवाद कौशल को विकसित करना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. **अनुवाद : अवधारणा एवं स्वरूप** • अनुवाद के प्रकार एवं क्षेत्र • अनुवाद के साधन • अनुवादक के गुण	**15**
	2. **अनुवाद** की प्रक्रिया (व्यावहारिक प्रयोग) • चयन • पठन • विश्लेषण • भाषांतरण • पुनरीक्षण • मिलान • समायोजन	**30**
	3. अनुवाद: व्यावहारिक प्रयोग • साहित्यिक एवं कार्यालयीन अनुवाद करना आवश्यक है।	**30**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, कार्यशाला, ई-माध्यम।	
संदर्भग्रंथ	1. डॉ.मनोहरसराफ, डॉ. शिवाकांत गोस्वामी, अनुवादसिद्धांतएवंस्वरूप:, विद्याप्रकाशन,कानपुर, 1989 2. डॉ. सुरेश सिंहल, अनुवाद संवेदना और सरोकार: संजय प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006 3. रीतारानी पालीवाल,अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य: वाणी प्रकाशन, दिल्ली,2015 4. डॉ. सुरेशकुमार,अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा: वाणी प्रकाशन,दिल्ली,2011 5. डॉ. अर्जुन चव्हाण,अनुवाद चिंतन, अमन प्रकाशन, कानपुर,द्वितीय संस्करण 2020	

	6. डॉ. अर्जुन चव्हाण,अनुवाद: समस्याएं एवं समाधान, अमन प्रकाशन, कानपुर, द्वितीय संस्करण,2020 7. डॉ.राजमणि शर्मा,अनुवाद विज्ञान सिद्धांत और प्रायोगिकसंदर्भ : संजय बुक सेंटर,वाराणसी, 1994 8. प्रो. दिलीपसिंह,अनुवाद की व्यापक संकल्पना:वाणीप्रकाशन,नई दिल्ली,2011 9. छबिल कुमार महर,अनुवाद: प्रक्रिया एवं प्रयोग, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली, 2016 10. पूरनचंद टंडन, हरीशकुमार सेठी,अनुवाद के विविध आयाम: तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली,2005 11. अनुवाद पत्रिका,भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली
अधिगम परिणाम	1. अनुवाद स्वरूप एवं प्रकारों से अवगत होंगे। 2. अनुवादक के गुणों से परिचित होंगे। 3. अनुवाद प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान होगा। 4. अनुवाद कौशल का विकास होगा।

सत्र: IV

कार्यक्रम: स्नातक हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-202

पाठ्यक्रम का शीर्षक: साठोत्तरी हिंदी काव्य (Hindi Poetry after 1960)

श्रेयांक: 04

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2024-25

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	1960 के पूर्व हिंदी काव्य का ज्ञान आवश्यक है।	
उद्देश्य	1. साठोत्तरी हिंदी कविता के युगीन परिवेश से अवगत कराना। 2. साठोत्तरी हिंदी कविता के प्रसिद्ध कवियों से परिचित कराना। 3. चयनित कविताओं में निहित जीवन मूल्यों का आकलन कराना। 4. चयनित कविताओं के माध्यम से विविध विमर्शों तथा सरोकारों के विश्लेषण की क्षमता विकसित कराना।	
पाठ्यविषय		**घंटे**
	1. साठोत्तरी हिंदी कविता: युगीन परिवेश • सन् 1960 सेसन् 1990 तक -सामाजिक , राजनीतिक, सांस्कृतिकआर्थिकपरिवेश, ● सन 1990 से 2020 तक -सामाजिक,राजनीतिक, सांस्कृतिकआर्थिकपरिवेश,	**15**
	2. साठोत्तरी हिंदी कवियोंका सामान्य परिचय (1960 से1990) रघुवीर सहाय, , सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, धूमिल, केदारनाथ सिंह चंद्रकांत देवताले ,अरुणकमल लीलाधर जगूड़ी, ज्ञानेंद्रपति उदयप्रकाश, मंगलेश डबराल, कुंवर नारायण, लीलाधर मंडलोई ओमप्रकाश वाल्मीकि, सूरजपाल चौहान, अनामिका, निलेश रघुवंशी, निर्मला पुतुल, जसिंता केरकेट्टा, बद्री नारायण ।	**15**
	3. साठोत्तरी हिंदी कविता– 1960 से 1990 तक ● हँसो हँसो जल्दी हँसो –**रघुवीर सहाय** ● सुर्ख हथेलियाँ –**सर्वेश्वर दयाल सक्सेना** ● रोटी और संसद -**धूमिल** ● बुनाई का गीत –**केदारनाथ सिंह** ● चिड़िया का प्रसव -**लीलाधर जगूड़ी** ● मैं जो कह रहाहूँ –**चंद्रकांत देवताले**	**15**
	4. साठोत्तरी हिंदीकविता: 1990 से 2020 तक ● पुतली में संसार –**अरुण कमल** ● आज़ादी उर्फ़ गुलामी – **ज्ञानेंद्र पति** ● कब होगी वह भोर -**सूरजपाल चौहान**	**15**

	• सत्रह साल की लड़की –**निलेश रघुवंशी** • नदी, पहाड़औरबाज़ार –**जसिंता के रकट्टा** • देश -**बद्री नारायण**	
अध्यापनविधि	व्याख्यान,सामूहिकचर्चा,दृश्य-श्रव्यप्रस्तुतिकरण ,कार्यशाला	
आधारग्रंथ	**1.** रघुवीर सहाय, हँसो हँसो जल्दी हँसो, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नयी दिल्ली, 1978 **2.** सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1989 **3.** केदारनाथ सिंह, प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, **4.** धूमिल, कल सुनना मुझे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1999 **5.** चंद्रकांत देवताले, लकड़ बग्घा हँस रहा है, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2000 **6.** अरुण कमल, पुतली में संसार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2004 **7.** लीलाधर जगूड़ी कवि , ने कहा ,किताबघर प्रकाशन , 2008 **8.** नीलेश रघुवंशी, घरनिकासी, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009 **9.** ज्ञानेन्द्रपति, कवि ने कहा, किताबघर ,नयी दिल्ली ,2011 **10.** नीलेश रघुवंशी, कवि ने कहा, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016 **11.** बद्रीनारायण, तुमड़ी केशब्द, राजकमल प्रकाशन, 2019 **12.** सूरजपाल चौहान2007 ,कब होगी वह भोर, वाणी प्रकाशन ,नयी दिल्ली,	
संदर्भग्रंथ	**1.** डॉ . ,लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय,स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य काइतिहास2012 राजपाल एंड सन्स **2.** डॉ. मनोज सोनकर, साठोत्तरी हिंदी कविता : संवेदना एवं शिल्प, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली, 1994 **3.** अरुणकमल, कविता और समय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2002 **4.** रामशरण जोशी, इक्कीसवीं सदी के संकट, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2003 **5.** डॉ. महेश तिवारी, हिंदी काव्य समीक्षा के प्रतिमान, वाणी प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली, 2005 **6.** परमानंद श्रीवास्तव, कविता का अर्थात्, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2008 **7.** डॉ. सुभाष गंगवाल, भूमंडलीकरण एवं भारत, मंगलदीप पब्लिकेशंस, जयपुर, 2008 **8.** डॉ. हरिनारायण ठाकुर, दलित साहित्य का समाज शास्त्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली, 2009	
अधिगमपरिणाम	**1.** साठो त्तरी हिंदी कविता के युगीन परिवेश से अवगत होंगे। **2.** साठोत्तरी हिंदी कविता के प्रसिद्ध कवियों से परिचित होंगे। **3.** चयनित कविताओं में निहित जीवनमूल्यों का आकलन करेंगे। **4.** चयनित कविताओं के माध्यम से विविध विमर्शों तथा सरोकारों के विश्लेषण की क्षमता विकसित करेंगे।	

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी**

पाठ्यक्रम : **HIN-203**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **रचनाकार का विशेष अध्ययन : भीष्म साहनी**
(Study of Special Author: Bhishma Sahani)

श्रेयांक : **04**

शैक्षणिक वर्ष से लागू : **2024-25**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	भीष्म साहनी के साहित्य का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है ।	
उद्देश्य	**1.** भीष्म साहनी के जीवन एवं रचनात्मक अवदान से परिचित कराना। **2.** भीष्म साहनी की साहित्यिक दृष्टि को समझाना । **3.** भीष्म साहनी के साहित्यिक परिवेश से अवगत कराना। **4.** भीष्म साहनी द्वारा रचितअन्य विधाओंके महत्व को समझाना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. रचनाकार- भीष्म साहनी • जीवन परिचय एवं परिवेश • कृतियों का सामान्य परिचय • भीष्म साहनी की साहित्यिक दृष्टि	**10**
	2. कथा-साहित्य • **कहानियाँ :** -अमृतसर आ गया -चीफ की दावत -निशाचर -नीली आँखें -वाङ्चू • **उपन्यास : तमस**	**20**
	3. नाटक • हानूश	**15**
	4. आत्मकथा • आज के अतीत	**15**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य, प्रस्तुति, नाट्य अभिनय आदि	
आधार ग्रंथ	1. भीष्म साहनी, हानूश, राजकमल प्रकाशन,2002 2. भीष्म साहनी, 10 प्रतिनिधि कहानियाँ, किताबघर प्रकाशन, 2005 3. भीष्म साहनी,तमस, राजकमल प्रकाशन, 1973 4. भीष्म साहनी, आज के अतीत,राजकमल प्रकाशन, 2015	
संदर्भ ग्रंथ	1. खान, रहीम पठान, भीष्म साहनी का कहानी साहित्य (कथ्य एवं शिल्प), संजय प्रकाशन, 2021	

	2. डॉ.उपाध्याय, रमेश, भारतीय साहित्य के निर्माता -भीष्म साहनी, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 2015 3. डॉ.द्विवेदी, विवेक, भीष्म साहनी-उपन्यास साहित्य, राजकमल प्रकाशन 4. डॉ.कुचेकर, भारत, भीष्म साहनी (व्यक्तित्व एवं कृतित्व, राजकमल प्रकाशन
अधिगम परिणाम	1. भीष्म साहनी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे। 2. भीष्म साहनी के साहित्य के परिवेश को समझ पाएंगे । 3. भीष्म साहनी के कथा तथा कथेत्तर साहित्य को तत्त्वों के आधार पर मूल्यांकन कर सकेंगे। 4. रचनाकार के सौन्दर्य दृष्टि को जानेंगे ।

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी**

पाठ्यक्रमः **HIN- 204**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **लोकसाहित्य (Folk Literature)**

श्रेयांक : **04**

शैक्षणिक वर्षसे लागू : **2024-2025**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित)	कुछ नहीं	
उद्देश्य	1. लोकसाहित्य का परिचय कराना। 2. लोकसाहित्य की विविध विधाओं की जानकारी देना। 3. लोकगीत तथा लोककथा से अवगत कराना। 4. \लोकनाट्य तथा लोकगाथा का परिचय कराना।	
पाठ्यविषय	**1.**	**घंटे**
	2. लोकसाहित्य • लोक एवं लोकसाहित्य :अवधारणा एवं स्वरूप • लोकसाहित्य की विशेषताएँ • लोकसंस्कृति और लोकसाहित्य • लोकसाहित्य का महत्व	**15**
	2. लोकसाहित्य की विविध विधाएँ • लोकगीत • लोककथा • लोकगाथा • लोकनाट्य	**15**
	3. लोकगीत तथा लोककथाः अवधारणा एवं स्वरूप • राजस्थानी - लोकगीत • कोंकणी – लोककथा	**15**
	4. लोकगाथा तथा लोकनाट्यः अवधारणा एवं स्वरूप • अवधी - लोकगाथा • बुंदेलखंडी – नौटंकी	**15**
अध्यापनविधि	व्याख्यान, संगोष्ठी,सामूहिक चर्चा,दृश्य-श्रव्यप्रस्तुतिकरण, लोक कलाकारों से भेट वार्ता	
आधार ग्रंथ	जयंती नायक, गोवा की लोककथाएँ, प्रभात प्रकाशन, 2021	
संदर्भग्रंथ	1. उषा सक्सेना, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली,2011 2. डॉ.नन्दलाल कल्ला, हिंदी का प्रादेशिक लोक साहित्यशास्त्र-, राजस्थानी ग्रँन्थागार,जोधपुर, 2014 3. विद्या चौहान, लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रगति प्रकाशन,1972	

	4. मदनलाल शर्मा, राजस्थानी लोकगीतों का सांस्कृतिक अध्ययन, साहित्य संस्थान, जोधपुर,1987 5. पूर्णिमा गहलोत, राजस्थानी लोकगीत, युनिक ट्रेडर्स,जयपुर,1951 6. प्रभाकर मांडे, लोकसाहित्याचे स्वरूप, परिमल प्रकाशन,1978
अधिगमपरिणाम	1. लोक साहित्य से परिचित होंगे। 2. लोक साहित्य के विविध विधाओं से परिचित होंगे। 3. लोकगीत तथा लोककथा की जानकारी प्राप्त होगी। 4. लोकनाट्य तथा लोकगाथा को जानेंगे।

कार्यक्रमः **: स्नातक हिंदी MAJORCOURSE**

पाठ्यक्रम **: HIN - 205**

पाठ्यक्रम का शीर्षक **: हिंदी निबंध(Hindi Essay)**

श्रेयांकः **: 0 2 (30)**

शैक्षणिक वर्ष से लागू: **2024-25**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	निबंध विधा की सामान्य जानकारी अपेक्षित हैं।	
उद्देश्य	1. हिंदी निबंध की संकल्पना एवं स्वरूप से अवगत कराना। 2. हिंदी निबंधों की विकास परंपरा एवं प्रकारों से परिचित कराना । 3. निबंधों के माध्यम से हिन्दी साहित्य और समाज में हुए परिवर्तन से अवगत कराना। 4. निबंध के लेखन के लिए प्रेरित कराना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. हिन्दी निबंध • हिंदी निबंध : संकल्पना और स्वरूप • हिंदी निबंध : विकास - परंपरा • निबंध के प्रकार	**10**
	2. चयनित निबंध एवं निबंधकार • 'आप'- **प्रतापनारायण मिश्र** • क्रोध - **आरामचन्द्र शुक्ल .** • नाखून क्यों बढ़ते हैं ? - **हजारीप्रसाद द्विवेदी** • पाप के चार हथियार- **कन्हैयालाल प्रभाकर** • गेहूं बनाम गुलाब -**रामवृक्ष बेनीपुरी** • भोलाराम का जीव - **हरिशंकर परसाई** • हम भ्रष्टन केभ्रष्ट हमारे , -**शरद जोशी** • हमारे शहर का पुस्तक नहीं पुरस्कार मेला -**सूर्यबाला**	**20**
अध्यापन पद्धति	व्याख्यान, निबंधों का पाठ, सामूहिक चर्चा, भ्रमण, कार्यशाला, प्रत्यक्ष निबंध लेखन ।	
संदर्भ ग्रंथ	1. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1996. 2. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी का गद्य साहित्य, चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी, 1987. 3. वर्मा, धीरेंद्र, हिंदी साहित्य कोश, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 2015.	
अधिगम परिणाम	1. हिंदी निबंध की संकल्पना एवं स्वरूप से अवगत होंगे। 2. हिंदी निबंधों की विकास परंपरा एवं प्रकारों से परिचित होंगे।	

	3. निबंधों के माध्यम से हिन्दी साहित्य और समाज में हुए परिवर्तन से अवगत होंगे। 4. निबंध के लेखन के लिए प्रेरित होंगे।

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदीMINOR COURSE (VET)**

पाठ्यक्रम : **HIN-221**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **::प्रयोजनमूलक हिंदी (Functional Hindi)**

श्रेयांक : **04 (3L+1P)**

शैक्षिक वर्ष से लागू : **2024-25**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	कार्यालयीन हिंदी का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है।	
उद्देश्य	1. प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा एवं स्वरूप से अवगत कराना। 2. विविध कार्यालयीन पत्रों के प्रारूपों से परिचित कराना। 3. संगणक प्रौद्योगिकी कौशल को विकसित करना। 4. रोजगार अर्जन की दृष्टि से सक्षम बनाना।	
		घंटे
पाठ्य विषय	1. **प्रयोजनमूलक हिंदी** • प्रयोजनमूलक हिंदी : अवधारणा एवं स्वरूप • हिंदी वर्ण और शब्दों का मानक रूप • हिंदी भाषा के विविध रूप : राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, तकनीकी एवं यांत्रिक भाषा • प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रयोगात्मक क्षेत्र • प्रयोजनमूलक हिंदी : रोजगार के अवसर	**15**
	2. **सामान्य आलेखन, कार्यालयीन पत्र-व्यवहार एवं पारिभाषिक शब्दावली** • निमंत्रण पत्र • व्यावसायिक पत्र • संपादक के नाम पत्र • आवेदन पत्र • अधिसूचना • आदेश • परिपत्र • ज्ञापन • पारिभाषिक शब्दावली	**15**
	3. हिंदी भाषा, संगणक और इंटरनेट • हिंदी टंकणः फोनेटिक एवं इनस्क्रिप्ट, स्पीच टू टेक्स्ट तकनीक • इंटरनेट पर उपलब्ध हिंदी पत्र-पत्रिकाएँ, प्रमुख हिंदी पोर्टल एवं वेबसाईट, ई पुस्तकालय एवं ब्लॉग • सरकारी एवं गैर सरकारी चैनल, ई पाठशाला, ज्ञानदर्शन, 'स्वयं' (SWAYAM Study Webs Of Active Learning For Young Aspiring	**15**

	Minds) पोर्टल पर उपलब्ध मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (MOOCS) • कृत्रिम बुध्दिमत्ता (Artificial Intelligence) और हिंदी	
	4. व्यावहारिक प्रयोग • पत्र लेखन - व्यक्तिगत पत्र, व्यावसायिक पत्र तथा कार्यालयीन पत्र • प्रस्तुति कौशल - पावरपॉइंट प्रस्तुति, वीडियो निर्मिति • अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद - विभिन्न क्षेत्रों के दस्तावेजों का अनुवाद • देवनागरी लिपि में टंकण • सोशल मीडिया : लेखन एवं प्रस्तुतीकरण	**30**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, चर्चा, पावरपॉइंट प्रस्तुति, दृश्य-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग, तकनीकी विशेषज्ञों व्दारा प्रशिक्षण	
संदर्भ ग्रंथ	1. डॉ. नरेश मिश्र : प्रयोजनमूलक हिंदी, राजपाल एंड सन्स्, दिल्ली, सं. 2013 2. डॉ. पी. लता : प्रयोजनमूलक हिंदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, सं. 2015 3. डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी : प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, कलिंगा प्रकाशन, दिल्ली, सं. 1992 4. डॉ. अर्जुन चव्हाण : मीडिया कालीन हिंदी : स्वरूप एवं संभावनाएँ, राधाकृष्ण प्रकाशन पाइवेट लिमिटेड, दिल्ली, सं. 2005 5. डॉ. विनोद गोदरे : प्रयोजनमूलक हिंदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं. 1991	
अधिगम परिणाम	1. छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा एवं स्वरूप से अवगत होते हुए उसका प्रयोग करने में सक्षम होंगे। 2. छात्र व्यक्तिगत, व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में निपुण होंगे। 3. छात्र संगणक एवं इंटरनेट प्रयोग में कौशल हासिल करते हुए अपने कार्य में उसका उचित उपयोग कर पायेंगे। 4. छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी का व्यावहारिक प्रशिक्षण पाकर रोजगार अर्जन की दृष्टि से सक्षम होंगे ।	

कार्यक्रमः **: स्नातक हिंदीAbility Enhancement Course(AEC)**

पाठ्यक्रमः **: HIN-252**

पाठ्यक्रम का शीर्षक **: संभाषण कला (Sambhashan kala)**

श्रेयांक **: 2**

शैक्षिक वर्ष **: 2024-2025**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	कुछ नहीं	
उद्देश्य	1. संभाषण कला के विभिन्न रूपों से परिचित कराना। 2. संभाषण कला कौशल की उपयोगिता को समझाना। 3. संभाषण कला को संवर्धन कराना।	
विषयवस्तु		**घंटे**
	1. संभाषणः अर्थ एवं विभिन्न रूप • वार्तालाप अवाचिक ,एकालाप ,विवाद-वाद ,व्याख्यान , जन संबोधन। ,अभिव्यक्ति • जन संपर्क में वाक्कला की उपयोगिता। • संभाषण कला के प्रमुख उपादान मानक ,यथेष्ट भाषा ज्ञान- अंतराल ,सटीक प्रस्तुति ,उच्चारणध्वनि ,(वाल्यूम)वेग , (एक्सेण्ट)लहजा	**15**
	2. संभाषण कला के विभिन्न रूप • उद् घोषणा कला) ,अनाउन्सेमेंट ,(आँखों देखा हाल ,)कमेन्ट्री,(संचालन ,(एकंरिंग)वाचन कला समाचार , ,(.वी.टी ,रेडियो)वाचनमंचीय वाचन व्यंग्य ,कहानी ,कविता) (आदि • संवादी के (कनवर्सेशनल लैंग्वेज)रूप में हिंदी की भाषिक संवेदना की विवेचना।	**15**
अध्यापन विधि	व्याख्यान तथा चर्चा,पी.पी.टी.प्रस्तुति, दृश्य-श्रव्यमाध्यमों का प्रयोग, तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण	
संदर्भ ग्रंथ	1. सं पंकज बिष्ट अकादमिक ,बाजार और लोकतंत्र ,भूपेन सिंहः मीडिया - दिल्ली। ,प्रतिभा 2. तेजपाल चौधरीः अच्छी हिंदी संभाषण और लेखन ,हिंदी बुक सेंटर। 3. यज्ञ दत्त शर्माः आदर्श भाषण कला ,आत्माराम अण्ड सन्स् ,नयी दिल्ली। 4. महेश शर्माःभाषण कला ,प्रभात प्रकाशन ,दिल्ली 2021 5. देवनाथ उपाध्याय एम .ए,भाषण संभाषण, ,किताब महल, इलाहबाद 1989	
अधिगम परिणाम	1. संभाषण के स्वरूप से अवगत होंगे। 2. संभाषण कला के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे। 3. संभाषण कला कौशल की उपयोगिता को समझेंगे।	

	4. संभाषण कला संवर्धन करेंगे।

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी**

पाठ्यक्रम : **EXT- HIN-261**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **) सूत्रसंचालन (Anchoring)**

श्रेयांक : **04**

शैक्षणिक वर्ष से लागू : **2024 -25**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	कुछ नहीं	
उद्देश्य	1. सूत्र संचालन का परिचय देते हुए कौशल को विकसित करना। 2. सभाधैर्य का विकास करना। 3. पठनपाठन एवं संभाषण से परिचित होना।- 4. विविध कार्यक्रमों के स्वरूप से परिचित करवाना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. सूत्र संचालन:स्वरूप एवं अवधारणा • सूत्र संचालन का स्वरूप एवं तत्त्व । • सूत्र संचालन के लिए आवश्यक गुण। • सूत्र संचालन का संहिता लेखन। • सूत्रसंचालक की भूमिका।	**15**
	2. सूत्र संचालन:स्क्रिप्ट लेखन एवं व्यावहारिक प्रयोग • मंचीयसूत्र संचालन। • सार्वजनिक और व्यक्तिगत। • साहित्यिक , संस्कृति,धार्मिक, राजनीतिक, कला, खेल आदि ।	**15**
	3. सूत्र संचालन मीडिया से): स्क्रिप्ट लेखन एवं व्यावहारिक प्रयोग (संबंधित • रेडिओ का सूत्र संचालन । • टेलिविज़नसूत्र संचालन । • डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से सूत्र संचालन।	**15**
	4. कक्षा में विषय के अनुसार कार्यक्रम की संहिता लिखकर सूत्र संचालन करना ।	**15**
अध्यापन विधि	व्याख्यान , सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी , दृश्य श्रव्य प्रस्तुति -, पी॰पी॰टी॰ प्रस्तुति	
संदर्भ ग्रंथ	1. सुनीता तरापुरे , रजनीश जोशी, सूत्र संचालन एक कला , सुविद्या प्रकाशन, सोलापूर 2. तेजपाल चौधरी, अच्छी हिंदी संभाषण और लेखन ,हिंदी बुक सेंटर 3. महेश शर्मा, भाषण कला,प्रभात प्रकाशन,दिल्ली, 2018 4. यज्ञदत्त शर्मा, आदर्श भाषण कला, आत्माराम एण्ड सन्स्. दिल्ली	

अधिगम परिणाम	1. विद्यार्थी सूत्र संचालन से परिचित होते हुए कौशल का विकास होगा। 2. विद्यार्थियों का सभाधैर्य विकसित होगा। 3. पठन पाठन एवं संभाषण से रुचि रखेंगे ।- 4. विविध कार्यक्रमों का सूत्र संचालन करने के लिए विद्यार्थियों की क्षमता विकसित होगी।

सत्र V

कार्यक्रमः स्नातकहिंदी MAJORCOURSE

पाठ्यक्रम : HIN –300

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल से रीतिकाल तक

(History of Hindi Literature :Aadikal to Ritikal)

श्रेयांकः 04

शैक्षणिक वर्ष से लागू : 2025-26

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी साहित्य के आरंभिक साहित्य इतिहास की जानकारी आवश्यक है	
उद्देश्य	1. हिंदी साहित्य - काल विभाजन एवं परिवेश से परिचित कराना । 2. हिंदी साहित्य की परिवेशगत प्रवृत्तियों से अवगत कराना । 3. हिंदी के काल खंडों के अनुसार रचनाकारों कापरिचय कराना । 4. हिंदी साहित्य के इतिहास के महत्व को समझना ।	
विषयवस्तु		**घंटे**
	1. आदिकाल: परिचयात्मक अध्ययन • सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश । • आदिकालीन विभिन्न काव्यधाराओं का प्रवृत्तिगत परिचय (सिद्ध , नाथ, जैन तथा रासो काव्य)	**15**
	2. भक्तिकाल : परिचयात्मक अध्ययन • सामाजिक,सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश । • भक्तिकालीन विभिन्न काव्यधाराओं का प्रवृत्तिगत परिचय- -निर्गुण भक्तिकाव्य-संत काव्य एवं सूफी काव्य । -सगुण भक्तिकाव्य- रामभक्ति एवं कृष्णभक्ति काव्य ।	**15**
	3. रीतिकाल: परिचयात्मक अध्ययन • सामाजिक,सांस्कृतिक, राजनीतिक परिवेश । • रीतिकालीन काव्यधाराएँ: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य	**15**
	4. प्रतिनिधि रचनाकार सरहपा, स्वयंभू, गोरखनाथ, चंदबरदाई, विद्यापति, कबीर, रैदास, जायसी, मीराबाई, सूरदास, तुलसीदास, केशव, बिहारी, मतिराम, देव, पद्माकर, घनानन्द,भूषण ।	**15**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य, प्रस्तुति, आदि	
संदर्भ ग्रंथ	1. आ. रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभरती प्रकाशन, इलाहाबाद 2002. 2. आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी,हिंदी साहित्य का आदिकाल, राजकमल प्रकाशन, 3. हिंदी साहित्य का उद्भव एवं विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015.	

	4. डॉ. नगेन्द्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2016. 5. रामसजन पाण्डेय, हिंदी साहित्य का इतिहास,संजय प्रकाशन, हरियाणा, 2016
अधिगम परिणाम	1. हिंदी साहित्य - काल विभाजन एवं परिवेश से परिचित होंगे । 2. हिंदी साहित्य की परिवेशगत प्रवृत्तियों का परिचय होगा । 3. हिंदी के काल खंडों के अनुसार रचनाकारों सेअवगत होंगे । 4. हिंदी साहित्य के इतिहास के महत्व को समझेंगे ।

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी MAJOR COURSE**

पाठ्यक्रम : **HIN-301**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **अस्मितामूलक विमर्श (Identity-Based Discourse)**

श्रेयांक : **04**

शैक्षणिक वर्ष से लागू : **2025-26**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी साहित्य के वैचारिक पृष्ठभूमि की जानकारी आवश्यक है।	
उद्देश्य	1. अस्मितामूलक विमर्शों से परिचित कराना। 2. कविताओं द्वारा स्त्री विमर्श से जुड़े प्रश्नों से अवगत कराना। 3. आत्मकथा द्वारा दलित विमर्श से परिचित कराना। 4. उपन्यास द्वारा किन्नर विमर्श को ज्ञात कराना।	
पाठ्यविषय		**घंटे**
	1. **अस्मितामूलक विमर्श: अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व** • स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, किन्नर विमर्श, अल्पसंख्यक विमर्श, किसान विमर्श, वृध्दावस्था विमर्श और पर्यावरण विमर्श।	**10**
	2. **स्त्री विमर्श : अवधारणा, स्वरूप एवं आंदोलन** • **विशेष अध्ययन- स्त्री विमर्श पर चयनित कविताएं** ➢ कैद अपनी ही- **स्नेहमयी चौधरी** ➢ जब मैं स्त्री हूं- **रंजना जयसवाल** ➢ खामोश रहनेवाली लड़कियां- **हरप्रीत कौर** ➢ पिता के घर में मैं- **रुपम मिश्र** ➢ कमाल की औरतें- **शैलजा पाठक** ➢ आप गुलाब कहते हैं जिन्हें- **नाज़िश अंसारी** ➢ एक औरत की पुकार- **मनीषा कुलश्रेष्ठ** ➢ बेजगह- **अनामिका**	**10**
	3. **दलित विमर्श : अवधारणा, स्वरूप एवं आंदोलन** विशेष अध्ययन के लिए आत्मकथा: • जूठन-**ओमप्रकाश वाल्मीकि**	**20**
	4. **किन्नर विमर्श : अवधारणा, स्वरूप एवं आंदोलन** विशेष अध्ययन- के लिए उपन्यास • **तीसरी ताली -प्रदीप सौरभ**	**20**
अध्यापन पद्धति	व्याख्या, कथा-कथन, समस्या निर्मूलन, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति, प्रश्न-मंजूषा, समूह चर्चा, अध्ययन भ्रमण।	
आधार ग्रंथ	1. जूठन-ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2015 2. तीसरी ताली- प्रदीप सौरभ, वाणी प्रकाशन, 2011	

संदर्भ ग्रंथ सूची	3. जगदीश्वर चतुर्वेदी, स्त्रीवादी साहित्य विमर्श,मेधा पब्लिशिंग हाउस, 2018 4. अनामिका, स्त्री विमर्श का लोकपक्ष, वाणी प्रकाशन, 2017 5. राजकमल प्रकाशन, 2011 6. डॉ. हरिनारायण ठाकुर, दलित साहित्य का समाजशास्त्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2009 7. ओमप्रकाश वाल्मिकी, दलित साहित्य का सौदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, सं 2001 8. बजरंग बिहारी तिवारी, दलित साहित्य: एक अंतर्यात्रा, नवारुण, गाज़ियाबाद, सं 2015 9. डॉ. दिलिप मेहरा (सं), हिंदी साहित्य में किन्नर विमर्श, वाणी प्रकाशन, 2019 10. सफलता सरोज (सं), किन्नर विमर्श: कल, आज और कल, अमन प्रकाशन, 2019 11. रमणीका गुप्ता (सं), आदिवासी समाज और साहित्य, कल्याणी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली, सं. 2016 12. सं. मनोहर भंडारे, इक्कीसवीं सदी के विविध विमर्श, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2023
अधिगम परिणाम	1. अस्मितामूलक विमर्शों से परिचित होंगे। 2. कविताओं द्वारा स्त्री विमर्श से जुड़े प्रश्नों से अवगत होंगे। 3. आत्मकथा द्वारा दलित विमर्श से परिचित होंगे। 4. उपन्यास द्वारा किन्नर विमर्श से ज्ञात होंगे।

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी MAJOR COURSE**

पाठ्यक्रम : **HIN- 302**

पाठ्यक्रम का शीर्षक: **रचनात्मक लेखन(CREATIVE WRITING)**

श्रेयांक : **04**

शैक्षणिक वर्ष से लागू : **2025-26**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	वाचन एवं लेखन में रुचि होना अपेक्षित है।	
उद्देश्य	1. रचनात्मक लेखन के विविध प्रकारों से परिचित कराना। 2. रचनात्मक लेखन-कौशल का विकास कराना। 3. रचनात्मक लेखन के लिए प्रेरित कराना। 4. रोजगार की दृष्टि से रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में सक्षम बनाना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. रचनात्मक लेखन • अवधारणा एवं स्वरूप • रचनात्मक लेखन- विविध क्षेत्र • जनसंचार माध्यम (प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक) (रचनात्मक लेखन के प्रकार – मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, पाठ्य-नाट्य आदि।)	**10**
	2. रचनात्मक लेखन : पद्य • कविता • गीत • गज़ल	**15**
	3. रचनात्मक लेखनः गद्य • कहानी • एकांकी • निबंध • पुस्तक समीक्षा • यात्रा-वृतांत	**20**
	4. रचनात्मक लेखन : जनसंचार माध्यम • प्रिन्ट मीडिया • इलेक्ट्रॉनिक मीडिया • सोशल मीडिया • विज्ञापन • रिपोर्ताज़ • फिल्म समीक्षा	**15**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति, कार्यशाला	

संदर्भ ग्रंथ सूची	1. राजेश जोशी- एक कवि की नोटबुक, राजकमल प्रकाशन, सं.2004 2. कुमार विमल(सं) - काव्य रचना प्रक्रिया, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना , सं. 1974 3. डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र- मीडिया लेखन- सिद्धांत एवं व्यवहार, संजय प्रकाशन, दिल्ली,सं.2003 4. रमेश गौतम(सं)- रचनात्मक लेखन, भारतीय ज्ञानपीठ, सं. 2016 5. शुक्ल रामचंद्र, चिंतामणी भाग 1, 2, काशी प्रचारणी सभा,
अधिगम परिणाम	1. रचनात्मक लेखन के विविध प्रकारों से परिचित होंगे। 2. रचनात्मक कौशल विकसित होगा। 3. रचनात्मक लेखन के लिए प्रेरित होंगे। 4. रोजगार की दृष्टि से रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में सक्षम बनेंगे।

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी MAJOR COURSE**

पाठ्यक्रम : **HIN-303**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **हिंदी आत्मकथा साहित्य (HINDI AUTOBIOGRPHY LITERATURE)**

श्रेयांक : **02**

शैक्षणिक वर्ष से लागू : **2025-26**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी के आत्मवृत्तांत की जानकारी आवश्यक है।	
उद्देश्य	• आत्मकथा विधा से परिचित कराना। • आत्मकथाके स्वरूप एवं अवधारणासे परिचित कराना। • हिन्दी आत्मकथा के इतिहास से अवगत कराना। • आत्मकथा के माध्यम से लेखक के जीवन और परिवेश से ज्ञात कराना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. हिंदी आत्मकथा: अवधारणा एवं स्वरूप • आत्मकथा की परिभाषा • आत्मकथा के तत्व • आत्मकथा का इतिहास	**15**
	2. विशेष अध्ययन के लिए निर्धारित आत्मकथा • सुनहु तात यह अकथ कहानी -**शिवानी**	**15**
अध्यापन पद्धति	व्याख्या ,मंजूषा-प्रश्न ,श्रव्य प्रस्तुति-दृश्य ,समस्या निर्मूलन ,कथन-कथा , समूह चर्चा।	
आधार ग्रंथ	सुनहु तात यह अकथ कहानी2007 ,दिल्ली ,राधाकृष्ण प्रकाशन ,शिवानी -	
संदर्भ ग्रंथ	1. विश्वबन्धु शास्त्री विद्यालंकार -हिन्दी का आत्मकथा साहित्य ,राधा प्रकाशन, दिल्ली, 1984 2. डॉ. बापुराव देसाई, हिंदी आत्मकथा विधा शास्त्र और इतिहास, गरिमा प्रकाशन, कानपुर,2011 3. डॉ. सरजूप्रसाद मिश्र, हिंदी लेखिकाओं की आत्मकथाएँ, अमन प्रकाशन, कानपुर,2011 4. डॉ रघुनाथ गणपति देसाई -महिला आत्मकथा लेखन में नारी , ए.बी.एस पब्लिकेशन, वाराणसी, 2012 5. ड़ॉ, क्राँति गायकवाड,समकालीन आत्मकथा और नारी जीवन, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर,2009	
अधिगम परिणाम	1. आत्मकथा विधा से परिचित होंगे। 2. आत्मकथाके स्वरूप एवं अवधारणा को जानेगें। 3. हिन्दी आत्मकथा के इतिहास से अवगत होंगे । 4. आत्मकथा के माध्यम से लेखक के जीवन और परिवेश से अवगत होंगे।	

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी Minor Course (VET)**

पाठ्यक्रम : **HIN-321**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **जनसंचार एवं पत्रकारिता (Media & Journalism)**

श्रेयांक : **4 (3T+1P)**

शैक्षणिक वर्ष से लागू :**2025-26**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	**हिंदी भाषा जनसंचार एवं पत्रकारिता का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है।**	
उद्देश्य	1. संचार और जनसंचार की अवधारणा से परिचित कराना। 2. जनसंचार के विविध माध्यम तथा महत्त्वको समझाना। 3. पत्रकारिता की अवधारणा से अवगत कराना। 4. समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरणकौशलका व्यावहारिक प्रयोग करना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. जनसंचार माध्यम: अवधारणा एवं स्वरूप • संचार: परिभाषा एवं प्रकार • जनसंचार: परिभाषा, तत्व एवं प्रकार • जनसंचार विशेषताएं एवं महत्त्व	**15**
	2. जनसंचार के विविध माध्यम • मुद्रित माध्यम: स्वरूप, महत्त्व एवं भेद • इलेक्ट्रॉनिक माध्यम: स्वरूप, महत्त्व एवं भेद	**15**
	3. पत्रकारिता: अवधारणा एवं स्वरूप • पत्रकारिता: परिभाषा, वर्गीकरण एवं महत्त्व • हिंदी पत्रकारिता: उद्भव एवं विकास • समाचारपत्र: स्रोत एवं प्रकाशन प्रक्रिया	**15**
	4. व्यावहारिक प्रयोग: • समाचार लेखन एवं प्रस्तुति • दूरदर्शन न्यूज़ बुलेटिन लेखन एवं प्रस्तुति • फ़ीचर लेखन • संपादन	**30**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, प्रत्यक्ष समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण	
	1. डॉ. शम्भूनाथ द्विवेदी, जनसंचार और विविध माध्यम, पूजा पब्लिकेशन्स,कानपुर 2021	

संदर्भ ग्रंथ	2. डॉ. जय प्रकाश पांडेय, आधुनिक जनसंचार माध्यमों में हिंदी, परिक्रमाप्रकाशन, दिल्ली-2014 3. ग्रॅ. सुजाला वर्मा, जी. पी. वर्मा, जनसंचार जनसंपर्क एवं विज्ञापन, ज्ञानोदयप्रकाशन, कानपुर 4. एन. सी. पंत, हिंदी पत्रकारिता का विकास, राधा पलिकेशन्स, दरियागंज,नई दिल्ली, 2001 5. अनिल सिन्हा, हिंदी पत्रकारिता इतिहास, स्वरूप एवं संभावनाएं, कनिष्कपब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली-110002 6. गणेश मंत्री, पत्रकारिता की चुनौतिया, सत्साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
अधिगम परिणाम	1. संचार और जनसंचार की अवधारणा से परिचित होंगे। 2. जनसंचार के विविध माध्यम तथा महत्त्वको समझेंगे। 3. पत्रकारिता की अवधारणा से अवगत होंगे। 4. समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरणकौशलका व्यावहारिक प्रयोग करेंगे।

कार्यक्रम : स्नातक हिंदी MAJOR COURSE

पाठ्यक्रम HIN-304

पाठ्यक्रम का शीर्षक :हिंदी साहित्य का इतिहास :आधुनिक काल (HISTORY OF HINDI LITERATURE: AADHUNIK KAL)

श्रेयांक : 4

शैक्षणिक वर्ष से लागू : 2025-26

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	आधुनिक हिंदी साहित्य की जानकारी आवश्यक है।	
उद्देश्य	1. आधुनिक काल की परिस्थितियों से अवगत कराना। 2. आधुनिक काल के विकास क्रम से परिचित कराना। 3. आधुनिक काल के कवियों से परिचित कराना। 4. रचनाओं के माध्यम से राजेश जोशी की काव्यदृष्टि से अवगत कराना।	
विषयवस्तु		**घंटे**
	1. **आधुनिक हिंदी काव्य का परिवेश** ● नवजागरण एवं समाज-सुधार आंदोलन ● आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिस्थितियाँ (1857-1947)	**10**
	2. **आधुनिक हिंदी काव्यःसामान्य प्रवृत्तियाँ** ● भारतेन्दुयुग ● द्विवेदीयुग ● छायावाद ● प्रगतिवाद ● प्रयोगवाद ● नईकविता ● समकालीन कविता	**20**
	3. **प्रमुख रचनाकार- सामान्य परिचय** भारतेन्दुहरिश्चन्द्र, मैथिलीशरणगुप्त, सुभद्राकुमारी चौहान, जयशंकरप्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांतत्रिपाठी 'निराला', महादेवीवर्मा, नागार्जुन, दिनकर, अज्ञेय, मुक्तिबोध, शमशेरबहादुरसिंह, कात्यायनी, आलोक धन्वा।	**10**

	4. **राजेश जोशी की चयनित कविताएँ :** 1. बिजली सुधारनेवाले 2. मैंउड़ जाऊंगा 3. यह धर्म के विरुद्ध है 4. प्लेटफार्मपर 5. बच्चे काम पर जारहे हैं 6. प्रजापति 7. मारेजाएंगे 8. मेरठ 87 9. नानाकी साइकिल 10. झाड़ू की नीति कथा 11. इत्यादि 12. बीसवीं सदी के अंतिम दिनों का एक आश्चर्य 13. उसकी गृहस्थी 14. उसप्लंबर का नाम क्या है, 15. प्रतिध्वनि 16. हमारे शहर की गलियां : दो 17. बर्बर सिर्फ बर्बर थे 18. मैंझु क ताहूं 19. रात किसी का घर नहीं 20. यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।	**20**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, कार्यशाला।	
आधार ग्रंथ	कविनेकहा, राजेशजोशी, किताबघरप्रकाशन, नईदिल्ली 2011	
संदर्भ ग्रंथ	1. शुक्ल, रामचन्द्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारणी सभा, सं-52, 2020 2. बच्चनसिंह: हिन्दी माहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017 3. नगेंद्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 200 4. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017 5. वासुदेव सिंह : हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, संजय बुक सेंटर, वाराणसी 6. नंदकिशोर नवल : समकालीन काव्ययात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014 7. सं. लीलाधर मंडलोई : कविता के सौ बरस, शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008	

अधिगम परिणाम	1. आधुनिक काल की परिस्थितियों से अवगत होंगे। 2. आधुनिक काल के विकास क्रम से परिचित होंगे । 3. आधुनिक काल के कवियों से परिचित होंगे। 4. रचनाओं के माध्यम से राजेश जोशी की काव्यदृष्टि से अवगत होंगे ।

सत्र : VI

कार्यक्रम : स्नातक हिंदी MAJOR COURSE

पाठ्यक्रम : HIN – 305

पाठ्यक्रम का शीर्षक : भारतीय साहित्य (Indian Literature)

श्रेयांक : 4 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू : 2025-26

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	भारतीय साहित्य की जानकारी आवश्यक है।	
उद्देश्य	1. भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचित कराना । 2. भारतीय साहित्य के माध्यम से विविध संस्कृतियों से अवगत कराना। 3. भारतीय साहित्यकारों की विचारधारा से परिचित कराना। 4. निर्धारित रचनाओं के अध्ययन द्वारा भारतीयता की मूल संवेदना से जोड़ना।	
पाठ्यविषय		**घंटे**
	1. भारतीय साहित्य • अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएँ । • भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ ।	**10**
	2. भारतीय कथा साहित्य • **कहानी** फाँसी – **एम. सुकुमारन (मलयालम)** अढ़ाई घंटे- **हरिकृष्ण कौल (कश्मीरी)** मैं- दो – **विभूत शाह (गुजराती)** क़सम- **दामोदर मावज़ो (कोंकणी)** सुदामा का पता – **तरुणकांति मिश्र (उड़िया)** • **उपन्यास** भू- देवता- **केशव रेड्डी (तेलगु)**	**20**
	3. अमृता प्रीतम की चयनित कविताएँ (पंजाबी) • मैं तुम्हें फिर मिलूँगी • मुलाक़ात • मरुस्थल की लीला • शहर • मेरा पता • ऐ मेरे दोस्त! मेरे अजनबी • राजनीति • मजबूर • धूप का टुकड़ा • मैंने पल भर के लिए	**15**

	4. नाटक • गिद्ध– **विजय तेंडुलकर (मराठी)**	**15**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति आदि।	
आधार ग्रंथ	1. भू- देवता- केशव रेड्डी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2019 2. गिद्ध – वसंतदेव देसाई, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2018 3. मैं तुम्हें फिर मिलूँगी, अमृता प्रीतम, कृति प्रकाशन, 2014 4. भारतीय श्रेष्ठ कहानियाँ, सं. सन्हैयालाल ओझा और मार्कण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010	
संदर्भ ग्रंथ	1. डॉ.नगेंद्र,भारतीय साहित्य, प्रभात प्रकाशन, सं.2018 2. रामछबीला त्रिपाठी- भारतीय साहित्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2014 3. मूलचंद गौतम(सं)-भारतीय साहित्य, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली, सं.2009 4. डॉ.सियाराम तिवारी (सं.), भारतीय साहित्य की पहचान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.2015	
अधिगम परिणाम	1. भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचित होंगे । 2. भारतीय साहित्य के माध्यम से विविध संस्कृतियों से अवगत होंगे। 3. भारतीय साहित्यकारों की विचारधारा से परिचित होंगे। 4. भारतीयता की मूल संवेदना से जुड़ेंगे ।	

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदीMAJOR COURSE**

पाठ्यक्रम : **HIN – 306**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **साहित्य : विचार एवं दर्शन(Literature : Thought and Philosophy)**

श्रेयांक : **4**

शैक्षणिक वर्ष से लागू: : **2025-26**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	साहित्य-विचार और दर्शन का परिचय होना अपेक्षित है।	
उद्देश्य	1. साहित्य- विचार एवं दर्शन से अवगत कराना। 2. भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन से प्रभावित साहित्य से परिचित कराना। 3. दर्शनशास्त्र, साहित्य और विचारधारा का अध्ययन कराना। 4. साहित्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों से परिचित कराना।	
पाठ्यविषय		**घंटे**
	1. भारतीय दर्शन : परिचयात्मक अध्ययन • वेद एवं उपनिषद • अद्वैतवाद, द्वैतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद, शुद्धाद्वैतवाद, द्वैताद्वैतवाद • जैन दर्शन • बौद्ध दर्शन • गांधी दर्शन	**15**
	2. भारतीय दर्शन पर आधारित रचनाएँ • कबीर के 5 दोहे (चयनित दोहे) 1. जाके मुँह माथा नहीं,नाहीं रूप कुरूप। 2.जल में कुम्भ कुम्भ में जल है बाहर भीतर पानी । 3. कबीर माया मोहनी, मोहे जाँण सुजाँण। 4. कबीर यहु जग कुछ नहीं,षिन षारा षिन मीठ। 5. कबीर ऐसा यहु संसार है,जैसा सैंबल फूल • सूरदास के 5 पद (चयनित पद) (सूरसागर संपादक नंददुलारे वाजपेयी (दूसरा खंड) दशम स्कंध पृष्ठ संख्या 1461) 1. स्यामा स्याम छबि की साध 2140।।2758।। 2. हम तुम सो बिनति करै,जनि आँखिनि भरौ गुलाल 2884।।3502।। 3. कहा इन नैननि कौ अपराध 3252।।3870।।4- 4. ऊधौ जोग जोग कहत ,कहा जोग कीए 3702।।43205- 5. हरि रस तौ ब्रजवासी जानै 4049 ।।4667	**15**

	• रामकुमार वर्मा - एकांकी –चारुमित्रा	
	3. पाश्चात्य दर्शन : परिचयात्मक अध्ययन • मार्क्सवाद • मनोविज्ञान • अस्तित्ववाद • उत्तर-आधुनिकतावाद	**15**
	4. पाश्चात्य दर्शन पर आधारित रचनाएँ • प्रतिबद्ध हूँ - **नागार्जुन** • हीली-बोन की बत्तखें – **अज्ञेय** • अंतराल - **निर्मल वर्मा**	**15**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति आदि।	
आधार ग्रंथ	1. हजारी प्रसाद द्विवेदी, कबीर- राजकमल प्रकाशन, 2019 2. सूरसागर संपादक नंददुलारे वाजपेयी (दूसरा खंड) दशम स्कंध पृष्ठ संख्या 1461 3. गोस्वामी तुलसीदास, रामचरितमानस - गीता प्रेस गोरखपुर 2021. 4. सूरसागर- लोकभारती प्रकाशन 2018 5. पउम चरिउ -स्वयंभू डा एच सी भायाणी अनुवाद डा देवेन्द्र कुमार जैन भारतीय ज्ञानपीठ नयी दिल्ली 1957 6. देशद्रोही - यशपाल लोकभारती प्रकाशन 1943 7. डा. रामकुमार वर्मा रचनावली ,उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थानलखनऊ 2011 8. अजेय संपूर्ण कहानियाँ, राजपाल प्रकाशन, 2008 9. कव्वे और काला पानी - निर्मल वर्मा भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली 2009 10. सूखा तथा अन्य कहानियाँ- निर्मल वर्मा, राजकमल प्रकाशन 1995	
संदर्भ ग्रंथ	1. डा.सर्वपल्ली राधाकृष्णन,भारतीय दर्शन भाग 1 तथा भाग 2, राजपालप्रकाशन, 2015 2. डॉ निर्मला जैन,काव्य चिंतन की पश्चिमी परम्परा ,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली 1990 3. डॉ तारकनाथ बाली,पाश्चात्य काव्यशास्त्र ,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली 2024 4. जगदीश्वर चतुर्वेदी,उत्तर आधुनिकतावाद,स्वराज प्रकाशन ,नई दिल्ली 2004	
अधिगम परिणाम	1. साहित्य- विचार एवं दर्शन से अवगत होंगे। 2. भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन से प्रभावित साहित्य से परिचित होंगे। 3. दर्शनशास्त्र और साहित्य का अध्ययन करेंगे। 4. साहित्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों से परिचित होंगे।	

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी MINOR COURSE (VET)**

पाठ्यक्रम : **HIN-322**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **साहित्य और सिनेमा (Literature and Cinema)**

श्रेयांक : **04 (3L+1P)**

शैक्षिक वर्ष से लागू : **2025-2026**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	साहित्य के प्रति रुचि तथा सिनेमा का सामान्य ज्ञान होना अपेक्षित है।	
उद्देश्य	1.साहित्य और सिनेमा के स्वरूप तथा संबंध से परिचित कराना। 2.हिंदी सिनेमा के विकास तथा सिनेमा की निर्माण प्रक्रिया से अवगत कराना। 3. सिनेमा में साहित्य के सरोकारों को सोदाहरण समझाना। 4.साहित्य के फिल्मांतरण के व्यावहारिक पक्ष से अवगत कराना।	
		घंटे
पाठ्य विषय	**1. साहित्य और सिनेमा** • साहित्य का स्वरूप • सिनेमा का स्वरूप • सिनेमा की तकनीकी शब्दवली • साहित्य और सिनेमा- साम्य एवं वैषम्य • सिनेमा में साहित्य - कहानी, पटकथा, संवाद,गीत,फिल्म समीक्षा	**15**
	2. हिंदी सिनेमा का उद्भव एवं विकास तथा फिल्म- निर्माण प्रक्रिया • हिंदी सिनेमा का उद्भव एवं विकास- साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्मों का उल्लेख अपेक्षित है। • फिल्म-निर्माण प्रक्रिया - निर्माण-पूर्व - कथा विकास – विचार,कहानी,पटकथा,संवाद - निर्माण - उत्तर-निर्माण - वितरण एवं प्रदर्शन	**15**
	3. साहित्य का फिल्मांतरण • पाठ का दृश्य श्रव्य माध्यम के लिए रूपांतरण - रूपांतरण की प्रक्रिया - रूपांतरण की चुनौतियाँ • साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्मों का अध्ययन - काबुलीवाला (रवींद्रनाथ ठाकुर की कहानी पर आधारित) (1961)	**15**

	- गाइड (आर.के.नारायण के उपन्यास पर आधारित) (1965) - सद्गति (प्रेमचंद की कहानी पर आधारित) (1981) - परिणीता(शरतचंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास पर आधारित) (2005) - ओंकारा (विलियम शेक्सपियर के नाटक पर आधारित) (2006) • प्रमुख हिंदी गीतकार – - साहिर लुधियानवी (प्यासा, कभी-कभी) - शैलेंद्र (अनाड़ी, गाइड) - गुलज़ार (आँधी, इजाज़त)	
	4. व्यावहारिक प्रयोग - सिनेमा आस्वादन (पाठ्यक्रम में चयनित फिल्मों के संदर्भ में) - पाठ पर आधारित पटकथा लेखन - संवाद लेखन - साहित्यिक कृति पर आधारित लघु- फिल्म निर्माण	**30**
अध्यापन विधि	व्याख्यान , चर्चा, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण, व्यावहारिक प्रयोग, तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन	
संदर्भ ग्रंथ	1. ओझा अनुपम, भारतीय सिने सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन,2009 2. वजाहत असग़र , व्यावहारिक निर्देशिका-पटकथा लेखन, राजकमल प्रकाशन, 2011 3. अग्रवाल प्रह्लाद, हिंदी सिनेमा आदि से अनन्त, साहित्य भंडार, इलाहाबाद, 2014 4. (सं)मृत्युंजय,सिनेमा के सौ वर्ष, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, 2008 5. भारद्वाज विनोद, सिनेमा कल, आज और कल, वाणी प्रकाशन, 2006 6. दुबे विवेक, हिंदी साहित्य और सिनेमा, संजय प्रकाशन , नई दिल्ली, 2009 7. कुमार हरीश, सिनेमा और साहित्य, संजय प्रकाशन, दिल्ली, 2010 8. क्षीरसागर गोकुल, सिनेमा और फिल्मांतरित हिन्दी साहित्य, विकास प्रकाशन कानपुर,2023	
अधिगम परिणाम	1. सिनेमा और साहित्य के स्वरूप तथा संबंध से परिचित होंगे। 2. हिंदी सिनेमा के विकास तथा निर्माण-प्रक्रिया को जानेंगे। 3. सिनेमा में साहित्य के सरोकारों को सोदाहरण समझेंगे। 4. साहित्य के फिल्मांकन की प्रक्रिया, फिल्म-निर्माण तथा फिल्म-आस्वादन के व्यावहारिक पक्ष से अवगत होंगे।	

सत्र : VII

कार्यक्रम : स्नातक हिंदी MAJOR COURSE

पाठ्यक्रम : HIN-400

पाठ्यक्रम का शीर्षक :भाषाविज्ञान (Linguistics)

श्रेयांक : 04

शैक्षणिक वर्ष से लागू : 2026-27

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी भाषा तथा इतिहास की सामान्य जानकारी होना आवश्यक है।	
उद्देश्य	1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भाषा और भाषाविज्ञान के विविध पहलुओं की जानकारी देना है। 2. भाषा, भाषा का विकास, भाषा की आवश्यकता, ध्वनियों का वर्गीकरण आदि से परिचित कराना। 3. रूपविज्ञान, अर्थविज्ञान से परिचित कराना। 4. कोशविज्ञान और कोशों की परंपरा से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. भाषा और भाषाविज्ञान • भाषा : परिभाषा, अभिलक्षण और विशेषताएँ • भाषा-उत्पत्ति के सिद्धांत • भाषा और बोली : स्वरूप और अंतर • भाषाओं का वर्गीकरण	**10**
	2. ध्वनिविज्ञान • वाग्यंत्र : अर्थ और परिचय • स्वर-व्यंजन वर्गीकरण • स्वनिम : परिभाषा, भेद, संस्वन और वितरण • ध्वनि परिवर्तन : कारण एवं दिशाएँ	**12**
	3. रूपविज्ञान (पदविज्ञान) • रूपविज्ञान : स्वरूप-विवेचन • रूपिम : परिभाषा एवं भेद • रूपिमिक प्रक्रियाएँ : व्युत्पादन और रूपसाधन • रूपिमों का वितरण • शब्द वर्ग और व्याकरणिक कोटियाँ • रूप परिवर्तन : कारण और दिशाएँ	**12**
	4. वाक्यविज्ञान • वाक्य और वाक्यविज्ञान : अवधारणा एवं स्वरूप • अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद • वाक्य के प्रकार	**10**

	5. अर्थविज्ञान • अर्थ और अर्थविज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप • शब्द और अर्थ का संबंध • अर्थ बोध के साधन और बाधक तत्त्व • अर्थ निर्णय के साधन • अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ	**10**
	6. कोशविज्ञान • शब्दकोश की परंपरा • कोश निर्माण की प्रक्रिया • शब्दकोशों के मुख्य प्रकार	**06**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, चर्चा, प्रस्तुतीकरण, भाषा प्रयोगशाला, कार्यशाला	
संदर्भ ग्रंथ	1. ख़ान, प्रो॰ इशरत. भाषाविज्ञान – प्रमुख आयाम. अमन प्रकाशन, कानपुर, 1995. 2. झा 'श्याम', डॉ॰ सीताराम. भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा का वैज्ञानिक विश्लेषण. बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना, 2015. 3. तिवारी, डॉ॰ भोलानाथ. भाषाविज्ञान. किताब महल, इलाहाबाद, 2014. 4. द्विवेदी, कपिलदेव. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2019. 5. मिश्र, प्रो॰ नरेश. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा. संजय प्रकाशन, 2009. 6. वर्म्मा, रामचंद्र, कपूर, बदरीनाथ. कोश कला. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007. 7. शर्मा 'ऋषि', उमाशंकर. भाषाविज्ञान की रूपरेखा.चौखंभा क्लासिका, वाराणसी, 2022. 8. शर्मा, देवेंद्रनाथ, शर्मा, दीप्ति. भाषाविज्ञान की भूमिका. राधाकृष्ण प्रकाशन, 2015. 9. शर्मा, रामकिशोर. आधुनिक भाषाविज्ञान के सिद्धांत. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016. 10. शर्मा, रामविलास. ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017. 11. सक्सेना, बाबूराम. सामान्य भाषाविज्ञान. हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, 2010. 12. सिंह, कृपाशंकर, सहाय, चतुर्भुज. आधुनिक भाषाविज्ञान. वाणी प्रकाशन, 2008.	
अधिगम परिणाम	1. विद्यार्थी भाषा की उत्पत्ति, अवधारणा और विशेषताओं से अवगत होंगे। 2. भाषा, भाषा का विकास, भाषा की आवश्यकता, ध्वनियों का वर्गीकरणआदि से परिचित होंगे। 3. रूपविज्ञान, अर्थविज्ञान से परिचित होंगे। 4. कोशविज्ञान और कोशों की परंपरा से परिचित होंगे।	

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदीMAJOR COURSE**

पाठ्यक्रम : **HIN-401**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **मध्यकालीन काव्य : व्यावहारिक समीक्षा**
(Medieval Poetry: Practical Criticism)

श्रेयांक : **04**

शैक्षणिक वर्ष से लागू : **2026 -27**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	मध्यकालीन कवियों का सामान्य ज्ञान आवश्यक है।	
उद्देश्य	• वर्तमान संदर्भ में भक्तिकालीन काव्य की महत्ता से परिचित कराना। • भक्तिकाल के कवियों से परिचित कराना। • भक्तिकालीन काव्य की भावात्मक एवं वैचारिक चेतना से अवगत कराना। • भक्तिकाल की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	मलिक मुहम्मद जायसी, कबीरदास, गोस्वामी तुलसीदास, मीराँबाई, बिहारी एवं घनानंद के काव्य की व्यावहारिक समीक्षा के मानदंड। चयनित कवि एवं कवयित्री : कविताएँ 1. मलिक मुहम्मद जायसी निर्धारित पाठ्यपुस्तक : जायसी ग्रंथावली,संपादक - आ॰ रामचंद्र शुक्ल: नखशिख - खंड।	**12**
	2. कबीरदास निर्धारित पाठ्यपुस्तक : कबीर - सं॰ आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी पदसंख्या : 1, 2, 5, 12, 20,39, 41, 77, 92, 109, 118, 130, 134, 137, 141, 162, 224, 247	**10**
	3. गोस्वामी तुलसीदास निर्धारित पाठ्यपुस्तक : रामचरितमानस - गोस्वामी तुलसीदास रामचरितमानस:उत्तरकांड (पद संख्या 01 से 30 तक)	**10**
	4. मीराँबाई - निर्धारित पाठ्यपुस्तक : मीराँबाई की पदावली – सं॰ परशुराम चतुर्वेदी : पद - i. मैं तो साँवरे के रंग राची ii. सखी मेरी नींद नसानी हो iii. तनक हरि चितवौ जी मोरी ओर iv. हरि मेरे जीवन प्राण आधार v. बादल देख डरी हो स्याम vi. सुण लीजो बिनती मोरी vii. ज्यासंग मेरा न्याहा लगाया viii. हरि तुम कायकू प्रीत लगाई	**10**

	ix. तुम बिन मेरो कौन ख़बर ले x. हरि गुन गावत नाचूँगी	
	5. बिहारी - निर्धारित पाठ्यपुस्तक : बिहारी रत्नाकर :श्री जगन्नाथदास'रत्नाकर'- दोहे संख्या : 4, 7, 10, 91, 93, 95, 96, 155,157, 158,163, 300, 322, 364, 499	**10**
	6. घनानंद –निर्धारित पाठ्यपुस्तक- घनानंद कवित्त (सं॰) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र : कवित्त संख्या – 2, 12, 15, 24, 40, 78, 87, 112, 140, 278	**08**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण, वृत्तचित्र	
संदर्भ ग्रंथ	1. अग्रवाल, पुरुषोत्तम. कबीरःसाखी और सबद.नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 2016. 2. अग्रवाल, वासुदेव शरण. पद्मावत.लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद, 2000. 3. गुप्त, माताप्रसाद. तुलसी ग्रंथावली -भाग 1, 2.हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयाग,1950. 4. गुप्त, माताप्रसाद. तुलसीदास.हिंदी परिषद प्रकाशन इलाहाबाद, 1957. 5. तिवारी, गोपीनाथ (सं॰)-तुलसीदास विभिन्न दृष्टियों का परिप्रेक्ष्य.विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1973. 6. तिवारी, डॉ॰ रामचंद्र. कबीर – मीमांसा. लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद, 1995. 7. द्विवेदी, आ॰ हज़ारीप्रसाद. कबीर.राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली, 1995. 8. शुक्ल, आ॰ रामचंद्र. त्रिवेणी.नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 1983. 9. शुक्ल, ललित. पद्मावत संदर्भ कोश. स्टैंडर्ड पब्लिशर्स इंडिया, नई दिल्ली, 1999. 10. साही, विजय देव नारायण. जायसी.हिंदुस्तानी एकेडमी इलाहाबाद, 1993. 11. सिंह, डॉ॰ वासुदेव. कबीर, साहित्य, साधना और पंथ.संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1993. 12. सिंह, डॉ॰ वासुदेव. मध्यकालीन काव्य साधना. संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1981.	
अधिगम परिणाम	1. मध्यकालीन काव्य की महत्ता से परिचित होंगे। 2. भक्तिकाल के कवियों से परिचित होंगे। 3. भक्तिकालीन काव्य की भावात्मक एवं वैचारिक चेतना से अवगत होंगे। 4. भक्तिकाल की प्रासंगिकता को समझ पाएँगे।	

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी MAJOR COURSE**

पाठ्यक्रम : **HIN-402**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **भारतीय काव्यशास्त्र (Indian Poetics)**

श्रेयांक : **04**

शैक्षणिक वर्ष से लागू : **2026 -27**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी साहित्य का ज्ञान होना आवश्यक है।	
उद्देश्य	1. काव्य की अवधारणा से परिचित कराना। 2. काव्य के विविध रूपों से परिचित कराना। 3. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र के विविध सिद्धांतों से परिचित कराना। 4. भारतीय काव्यशास्त्र के आचार्यों के विविध मतों से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. काव्य की अवधारणा • काव्य का स्वरूप • काव्य के लक्षण • काव्य के तत्त्व • काव्य के हेतु • काव्य के प्रयोजन • काव्य के विविध रूप	**12**
	2. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - **रस सिद्धांत** :अवधारणा एवं स्वरूप • रस के भेद, साधारणीकरण • विभिन्न आचार्यों के मत • रस निष्पत्ति सिद्धांत के परवर्ती आचार्य भट्टलोल्लट - उत्पत्तिवाद शंकुक - अनुमितिवाद भट्टनायक - भुक्तिवाद अभिनव गुप्त – अभिव्यक्तिवाद	**12**
	3. अलंकार सिद्धांत : स्वरूप एवं विवेचन • अलंकार : परंपरा एवं भेद	**08**
	4. रीति सिद्धांत :स्वरूप, परंपरा एवं भेद • रीति के आधारभूत तत्त्व - काव्य गुण, काव्य दोष, अलंकार	**08**
	5. ध्वनि सिद्धांत : स्वरूप एवं परंपरा • शब्द शक्तियाँ • ध्वनि के भेद	**08**

	6. वक्रोक्ति सिद्धांत :स्वरूप एवं परंपरा • वक्रोक्ति के भेद	**06**
	7. औचित्य सिद्धांत: स्वरूप एवं परंपरा औचित्य के भेद	**06**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, संगोष्ठी, प्रस्तुतीकरण	
संदर्भ ग्रंथ	1. उपाध्याय, बलदेव. भारतीय साहित्यशास्त्र. वाराणसी. 2. गुप्त, गणपतिचंद्र. साहित्यिक निबंध. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015. 3. गुलाबराय, बाबू. सिद्धांत और अध्ययन. आत्माराम ऐंड संस, दिल्ली, 2010. 4. चौधरी, सत्यदेव. भारतीय काव्यशास्त्र. अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली. 5. त्रिपाठी, राधावल्लभ. भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परंपरा. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी. 6. त्रिपाठी, राममूर्ति. भारतीय काव्य विमर्श. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली. 7. डॉ॰ नगेंद्र. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली. 8. बाली, डॉ॰ तारक नाथ. भारतीय काव्यशास्त्र. वाणी प्रकाशन, 2017. 9. मिश्र, भगीरथ. काव्यशास्त्र. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2016. 10. शुक्ल, रामबहोरी. काव्य प्रदीप. हिंदी भवन, इलाहाबाद, 2012. 11. सिंह, योगेंद्र प्रताप. भारतीय काव्यशास्त्र. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.	
अधिगम परिणाम	1. काव्य की अवधारणा से परिचित होंगे। 2. काव्य के विविध रूपों से परिचित होंगे। 3. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र के विविध सिद्धांतों से परिचित होंगे। 4. भारतीय काव्यशास्त्र के आचार्यों के विविध मतों से परिचित होंगे।	

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदीMajor course**

पाठ्यक्रम : **HIN-403**

पाठ्यक्रम का शीर्षक :**शोध प्रविधि (Research Methodology)**

श्रेयांक : **04**

शैक्षणिक वर्ष से लागू : **2026 -27**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	शोध की सामान्य जानकारी आवश्यक है।	
उद्देश्य	1. विद्यार्थियोंको शोध के इतिहास तथा उसके विभिन्न प्रकारों से परिचित कराना। 2. विद्यार्थियोंको शोध के दौरान आने वाली समस्याओं से अवगत कराना। 3. विद्यार्थियोंको शोध में कंप्यूटर के उपयोग से परिचित कराना। 4. विद्यार्थियोंको पाठानुसंधान की प्रविधि से अवगत कराना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. शोध की अवधारणा एवं स्वरूप • शोध का इतिहास • शोध के प्रकार • शोध और आलोचना	**12**
	2. शोध की प्रविधि एवं पद्धति • प्राक् कल्पना • साहित्य सर्वेक्षण • विषय चयन • शोध की रूपरेखा • सामग्री संकलन • तथ्यानुसंधान • उद्धरण एवं संदर्भ • संदर्भ-ग्रंथ सूची एवं परिशिष्ट	**18**
	3. पाठानुसंधान की अवधारणा एवं समस्याएँ • पाठानुसंधान की प्रविधि • पाठ संकलन • पाठ चयन • पाठ निर्धारण • पाठानुसंधान की समस्याएँ	**18**
	4. शोध में कंप्यूटर का प्रयोग • इंटरनेट • भाषा और साहित्य संबंधी सॉफ़्टवेयर और वेबसाइट	**12**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	

संदर्भ ग्रंथ	1. अग्रवाल, गिरिराज शरण. शोध संदर्भ भाग-1.हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर, 1987. 2. अग्रवाल, गिरिराज शरण. शोध संदर्भ भाग-2.हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर, 1989. 3. कुमारी, शैल. शोध: तंत्र और सिद्धांत. लोकवाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1976. 4. तिवारी, सियाराम. पाठानुसंधान. स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1987. 5. नगेंद्र.शोध सिद्धांत.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली,1967. 6. पांडेय, गणेश. शोध प्रविधि.राधा पब्लिकेशन, दिल्ली, 2005. 7. बोरा, राजमल. अनुसंधान.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1995. 8. मिश्र, राजेंद्र. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया.तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002. 9. शर्मा, विनयमोहन. शोध प्रविधि.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1980. 10. शुक्ल, उमा. साहित्यिक शोध: प्रविधि एवं व्याप्ति.अरविंद प्रकाशन, मुंबई, 1990. 11. सिंघल, बैजनाथ. शोध स्वरूप एवं मानक कार्यविधि.वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1994. 12. सिन्हा, सावित्री, स्नातक,विजयेंद्र. अनुसंधान की प्रक्रिया.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1960. 13. सिन्हा, सावित्री. अनुसंधान का स्वरूप.आत्माराम ऐंड संस, दिल्ली, 1954.
अधिगम परिणाम	1. विद्यार्थी शोध के इतिहास से परिचित होंगे। 2. विद्यार्थी शोध के दौरान आने वाली समस्याओं से अवगत होंगे। 3. विद्यार्थी शोध में कंप्यूटर के उपयोग से परिचित होंगे। 4. विद्यार्थी पाठानुसंधान की प्रविधि से अवगत होंगे।

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी MINOR COURSE**

पाठ्यक्रम : **HIN-411**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **आधुनिक गद्य की अन्य विधाएँ(Another form of Modern Prose)**

श्रेयांक : **04(60)**

शैक्षणिक वर्ष से लागू : **2026 -2027**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	निबंध, आत्मकथा, संस्मरण, यात्रावृत्त आदि विधाओं की सामान्य जानकारी आवश्यक है।	
उद्देश्य	1. विद्यार्थियों को गद्य की इतर विधाओं-निबंध, आत्मकथा, संस्मरण, डायरी आदि की जानकारी देना। 2. विद्यार्थियों को गद्य विधाओं के इतिहास से परिचित कराना। 3. विद्यार्थियों को विधाओं के श्रेष्ठ साहित्य से परिचित कराना। 4. विद्यार्थियों को विधाओं के बीच के अंतस्संबंध से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. निबंध- • प्रतापनारायण मिश्र- ट • हरिशंकर परसाई - साहित्य और नंबर दो का कारोबार • रामवृक्षबेनीपुरी - नींव की ईंट • विद्यानिवास मिश्र - मेरे राम का मुकुट भीग रहा है • सुशील सिद्धार्थ - मालिश महापुराण	**18**
	2. संस्मरण - महादेवी वर्मा : सुभद्राकुमारी चौहान सुधीर विद्यार्थी : मेरा राजहंस	**08**
	3. डायरी - गणेशशंकर विद्यार्थी की जेल डायरी	**10**
	4. यात्रावृत्त - राहुल सांकृत्यायन: किन्नर देश में	**14**
	5. आत्मकथा - प्रभा खेतान : अन्या से अनन्या	**10**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद-संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण, वृत्तचित्र।	
आधार ग्रंथ	1. खेतान, प्रभा. अन्या से अनन्या. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010. 2. सलिल, सुरेश(संपादन). गणेशशंकर विद्यार्थी जेल डायरी. प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली, 1981. 3. सांकृत्यायन, राहुल. किन्नर देश में. किताब महल, दिल्ली, 1948. 4. सिद्धार्थ, सुशील, मालिश महापुराण. सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 2014.	

संदर्भ ग्रंथ	1. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. गद्य विन्यास और विकास. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1996. 2. तिवारी, रामचंद्र. हिंदी का गद्य साहित्य. चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी, 1987. 3. प्रकाश, अरुण. गद्य की पहचान. अंतिका प्रकाशन, दिल्ली, 2012. 4. वर्मा, धीरेंद्र. हिंदी साहित्य कोश. ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 2015.
अधिगम परिणाम	1. विद्यार्थी इतर विधाओं से परिचित होंगे। 2. विद्यार्थी इतर विधाओं के इतिहास और साहित्य से परिचित होंगे। 3. विद्यार्थीविधाओं के श्रेष्ठ साहित्य से परिचित होंगे। 4. विद्यार्थी विधाओं के बीच के अंतस्संबंध से परिचित होंगे।

सत्र : VIII

कार्यक्रम : स्नातक हिंदीMAJOR COURSE

पाठ्यक्रम : HIN-404

पाठ्यक्रम का शीर्षक :हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण (Hindi Language : Script and Grammar)

श्रेयांक : 04

शैक्षणिक वर्ष से लागू : 2026 -27

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी भाषा तथा व्याकरण की सामान्य जानकारी होना आवश्यक है।	
उद्देश्य	1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के इतिहास की जानकारी देना है। 2. हिंदी भाषा समुदाय से परिचित कराना। 3. व्याकरण के विविध पक्षों से परिचित कराना। 4. देवनागरी लिपि की विशेषताओं से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. हिंदी भाषा काविकास : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि • विश्व की भाषाओं में हिंदी तथा भारोपीय परिवार • प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ : वैदिक एवं लौकिक संस्कृत • मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ : पालि, प्राकृत और अपभ्रंश • आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ	**15**
	2. हिंदी भाषा समुदाय • हिंदी शब्द का अर्थ और प्रयोग • हिंदी की बोलियाँ : राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी, पूर्वी और पश्चिमी हिंदी • हिंदी की विभाषाएँ : हिंदवी, दक्खिनी हिंदी, रेख़्ता, उर्दू, हिंदुस्तानी	**10**
	3. व्याकरण • हिंदी शब्द रचना : संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय • **व्याकरणिक प्रकार्य के आधार पर हिंदी शब्द वर्ग** **1) विकारी शब्द** : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया **2) अविकारी शब्द :**क्रिया विशेषण, संबंधसूचक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक, निपात	**15**
	4. व्याकरणिक कोटियाँ : लिंग, वचन, कारक, काल • शब्दों का वर्गीकरण • विराम चिह्न	**10**
	5. **देवनागरी लिपिका उद्भव और विकास**	**10**

	• लिपि : परिभाषा एवं प्रकार • देवनागरी लिपि का इतिहास • देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, विशेषताएँ एवं सीमाएँ	
अध्यापन विधि	व्याख्यान, चर्चा, संगोष्ठी, प्रस्तुतीकरण, कार्यशाला	
संदर्भ ग्रंथ	**1.** ओझा, रा॰ ब॰ पं॰ गौरीशंकर हीराचंद. भारतीय प्राचीन लिपिमाला. राजस्थानी ग्रंथाघर, जोधपुर, 2016. **2.** गुरु, पं॰ कामताप्रसाद. हिंदी व्याकरण. प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2015. **3.** तिवारी, उदयनारायण. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019. **4.** तिवारी, डॉ॰ भोलानाथ. हिंदी भाषा का इतिहास. वाणी प्रकाशन, 2014. **5.** देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, 2016, 2019. **6.** पांडेय, डॉ॰ पृथ्वीनाथ. शुद्‌ध हिंदी कैसे बोलें, कैसे लिखें. सामयिक पेपरबैक्स, नई दिल्ली, 2019. **7.** बाहरी, डॉ॰ हरदेव. हिंदी उद्‌भव, विकास और रूप. किताब महल, नई दिल्ली, 2021. **8.** महरोत्रा, रमेशचंद्र. मानक हिंदी का व्यवहारपरक व्याकरण. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016. **9.** महिया, किशनाराम, शर्मा, विमलेश. हिंदी व्याकरणमाला. ज्ञानवितान प्रकाशन, अजमेर, 2020. **10.** वर्म्मा, रामचंद्र. अच्छी हिंदी. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015. **11.** सहाय, शिवपूजन, सं॰ मंगलमूर्ति. व्याकरण दर्पण. अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2013. **12.** सिंह, डॉ॰ ब्रज किशोर. हिंदी व्याकरण विमर्श. साहनी पब्लिकेशंस, दिल्ली, 2019.	
अधिगम परिणाम	• विद्‌यार्थी हिंदी भाषा के इतिहास की जानकारी पाएँगे। • हिंदी भाषा समुदाय से परिचित होंगे। • व्याकरण के विविध पक्षों से परिचित होंगे। • देवनागरी लिपि की विशेषताओं परिचित होंगे।	

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी MAJOR COURSE**

पाठ्यक्रम : **HIN-405**

पाठ्यक्रम का शीर्षक : **पाश्चात्य काव्यशास्त्र (Western Poetics)**

श्रेयांक : **04 (60)**

शैक्षणिक वर्ष से लागू : **2026 -27**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	काव्यशास्त्र का सामान्य ज्ञान आवश्यक है।	
उद्देश्य	1. पाश्चात्य काव्यचिंतन की परंपरा से अवगत कराना। 2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतो का अध्ययन कराना। 3. 21वीं सदी के पाश्चात्य काव्यचिंतन से परिचित कराना। 4. काव्य-सिद्धांतों के ज्ञान के आधार पर साहित्यिक कृतियों के अध्ययन एवं आस्वादन के लिए आलोचनात्मक दृष्टि प्राप्त कराना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1.पाश्चात्य काव्यचिंतन का उद्भव एवं विकास (प्राचीन यूनानी काव्यचिंतन से 21वीं सदी तक काक्रमिकविकास)	**12**
	2. प्रमुख पाश्चात्य चिंतकों के सिद्धांत	
	1) **प्लेटो:** काव्यप्रेरणा, अनुकरण, प्रत्ययवाद	**06**
	2) **अरस्तू:** अनुकरण, त्रासदी, विरेचन	**06**
	3) **लोंजाइनस:** उदात्तता	**06**
	4) **कॉलरिज, वर्ड्सवर्थ:** स्वच्छंदतावाद	**06**
	5) **मैथ्यू आर्नल्ड:** कला और नैतिकता,आलोचना सिद्धांत	**06**
	6) **क्रोचे:** अभिव्यंजनावाद	**06**
	7) **आई.ए.रिचर्ड्स:** मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत, अर्थ मीमांसा	**06**
	8) **टी॰ एस॰ इलियट:** निर्वैयक्तिकता, वस्तुनिष्ठ	**06**
	9) सादृष्य,संवेदनशीलता का असाहचर्य	**06**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण।	
संदर्भ ग्रंथ	1. गुप्त,गणपतिचंद्र.भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009 2. जैन, निर्मला.पाश्चात्य साहित्य चिंतन. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1990 3. जैन, निर्मला,बाँठिया .कुसुम पाश्चात्य साहित्य चिंतन. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2009 4. बाली,तारकनाथ.पाश्चात्य काव्यशास्त्र. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2010 5. मिश्र,डॉ॰ सभापति.भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य-चिंतन. जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007 6. मिश्र, डॉ॰ भगीरथ.पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास सिद्धांत और वाद. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी, 2016	

	7. मिश्र, सत्यदेव.पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ. लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2021 8. शर्मा, कृष्णलाल. यूनानी रोमी काव्यशास्त्र में उत्तर आभिजात्य चिंतनधारा. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015 9. शर्मा,देवेंद्रनाथ.पाश्चात्य काव्यशास्त्र.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2016 10. सिंह, विजय बहादुर.पाश्चात्य काव्यशास्त्र. अपरा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016 11. Barry, Peter. Beginning Theory: An Introduction to Literary and Cultural Theory. Manchester University Press, 2002 12. Bennett, Andrew, wand Nicholas Royale. An Introduction to Literature, Criticism and Theory. Pearson Education Limited, 2009 13. Habib, M.A.R. Literary Criticism from Plato to the Present: An Introduction. Wiley-Blackwell, United Kingdom, 2011 14. Tilak, Dr.Raghukul. History and Principles of Literary Criticism. Rama Brothers, 2002
अधिगम परिणाम	1. पाश्चात्य काव्यचिंतन की परंपरा से अवगत होंगे। 2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतो से परिचित होंगे। 3. 21वीं सदी के पाश्चात्य काव्यचिंतन से परिचित होंगे। 4. काव्य-सिद्धांतों के ज्ञान के आधार पर साहित्यिक कृतियों के अध्ययन एवं आस्वादन के लिए आलोचनात्मक दृष्टि प्रदान होगी।

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदी MAJOR COURSE**

पाठ्यक्रम : **HIN-406**

पाठ्यक्रम का शीर्षक :**आलोचक और आलोचना (Critics and Criticism)**

श्रेयांक : **04(60)**

शैक्षणिक वर्ष से लागू : **2026 -2027**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	आलोचना का व्यावहारिक रूप में प्रयोग और साहित्य के इतिहास का ज्ञान अपेक्षित।	
उद्देश्य	1. विद्यार्थियों को आलोचना की अवधारणा, इतिहास, स्वरूप, भेद आदि से परिचित कराना। 2. विद्यार्थियों को हिंदी आलोचना के विकास से परिचित कराना। 3. विद्यार्थियों को शुक्लयुगीन आलोचना से लेकर मार्क्सवादी और अस्मितावादी आलोचना-दृष्टि से परिचित कराना। 4. विद्यार्थियों को विभिन्न आलोचकों के योगदान से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. आलोचना: अवधारणा, स्वरूप एवं भेद • आलोचना, समालोचना और समीक्षा में अंतर • आलोचक के गुण • आलोचक के दायित्व	**08**
	2. हिंदी आलोचना का विकास • भारतेंदुयुगीन आलोचना और नवजागरण • महावीरप्रसाद द्विवेदी और पुनर्जागरण • आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि • छायावादी कवियों की आलोचना दृष्टि	**12**
	3. शुक्लोत्तर आलोचना • हज़ारीप्रसाद द्विवेदी: मानवतावादी एवं सांस्कृतिक आलोचना • नंददुलारे वाजपेयी और स्वच्छंदतावादी आलोचना	**08**
	4. मार्क्सवादी आलोचना • मार्क्सवादी आलोचना का परिचय • शिवदान सिंह चौहान	**12**
	5. आलोचक: विशेष अध्ययन • आचार्य रामचंद्र शुक्ल • रामविलास शर्मा • गजानन माधव 'मुक्तिबोध' • नामवर सिंह • निर्मला जैन	**20**

	• डॉ॰ धर्मवीर	
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद-संवाद, संगोष्ठी, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण।	
संदर्भ ग्रंथ	1. अवस्थी, रेखा. प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012. 2. चौहान, शिवदान सिंह. आलोचना के मान. संपादन:विष्णुचंद्र शर्मा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली, 1958. 3. जैन, निर्मला. नई समीक्षा के प्रतिमान. किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2015. 4. जैन, निर्मला.हिंदी आलोचना का दूसरा पाठ. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014 5. जैन, नेमिचंद (सं॰). मुक्तिबोध रचनावली भाग-4. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2007. 6. जैन, नेमिचंद (सं॰). मुक्तिबोध रचनावली भाग-5. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2007. 7. डॉ. धर्मवीर. कबीर के आलोचक. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2004 8. डॉ. रामबक्ष. समकालीन हिंदी आलोचक और आलोचना. हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़, 1991 9. तिवारी, रामचंद्र.हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016. 10. त्रिपाठी, विश्वनाथ.हिंदी आलोचना. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2003. 11. दास, डॉ॰ श्यामसुंदर. साहित्यालोचन. भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 2007. 12. द्विवेदी, हज़ारीप्रसाद. साहित्य सहचर. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013. 13. नवल, नंदकिशोर.हिंदी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2011. 14. प्रसाद, कमला. आलोचक और आलोचना. आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा, 2002. 15. मधुरेश.हिंदी आलोचना का विकास. सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012 16. शर्मा, रामविलास. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014. 17. शर्मा, रामविलास. महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010. 18. सिंह, डॉ॰ बच्चन.हिंदी आलोचना के बीज शब्द. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2015.	
अधिगम परिणाम	1. विद्यार्थी हिंदी आलोचना की विकास यात्रा से परिचित होंगे। 2. विद्यार्थी आलोचक के गुण, सीमाओं आदि से परिचित होंगे। 3. विद्यार्थी शुक्लयुगीन आलोचना से लेकर अस्मितावादी आलोचना की विशेषताओं से परिचित होंगे।	

	4. विद्यार्थी आलोचकों के आलोचनात्मक योगदान से परिचित होंगे।

कार्यक्रम : स्नातक हिंदीMAJOR COURSE

पाठ्यक्रम : HIN-407

पाठ्यक्रम का शीर्षक :नाटक एवं रंगमंच (Drame and Theatre)

श्रेयांक : 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू : 2026 -2027

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	Nil	
उद्देश्य	1. नाटक के विकासक्रम का अध्ययन कराना। 2. रंगमंच के विकासक्रम का अध्ययन कराना। 3. भारतेंदु एवं अन्य नाटककारों के समकालीन परिवेश से अवगत कराना। 4. हिंदी नाटकों के कला एवं भाषिक पक्ष का अध्ययन कराना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. नाटक एवं रंगमंच : स्वरूप एवं परंपरा का विकास। • संस्कृत नाट्य परंपरा। • मध्ययुगीन लोकनाट्य परंपरा। • स्वतंत्रतापूर्व हिंदी नाटक एवं रंगमंच। • स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक एवं रंगमंच।	**15**
	2. निर्धारित नाटक • भारतेंदु हरिश्चंद्र : अंधेर नगरी	**06**
	• जयशंकर प्रसाद : चंद्रगुप्त	**08**
	• मोहन राकेश : आधे-अधूरे	**08**
	• शंकर शेष : एक और द्रोणाचार्य	**07**
	• भीष्म साहनी : माधवी	**08**
	• असग़र वजाहत : जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ	**08**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	
आधार ग्रंथ	1. प्रसाद, जयशंकर. चंद्रगुप्त. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2011. 2. राकेश, मोहन. आधे-अधूरे. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,1990. 3. वजाहत, असग़र. जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ. वाणी प्रकाशन, दरियागंज,नई दिल्ली,2010. 4. शेष, शंकर. एक और द्रोणाचार्य. अभिनव प्रकाशन, मुंबई, 1978. 5. साहनी, भीष्म. माधवी, राजकमल प्रकाशन, दरियागंज,नई दिल्ली, 2017. 6. हरिश्चंद्र, भारतेंदु. अंधेर नगरी. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 2009.	
संदर्भ ग्रंथ	1. ओझा, डॉ॰ दशरथ. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, 2017.	

2. ओझा, डॉ॰ मांधाता, सरदाना, डॉ॰ शशि. नाटक: नाट्य-चिंतन और रंग प्रयोग, कलामंदिरदिल्ली, 2003.
3. कुमार, सिद्धनाथ. नाट्यालोचन के सिद्धांत, वाणी, नई दिल्ली2004.
4. गौतम, विकल. हिंदी नाटक : रंग, शिल्प, दर्शन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013.
5. चंदेर, डॉ॰ नाट्यचिंतन: नए संदर्भ, साहित्य रत्नाकर, कानपुर, 1987.
6. चातक, गोविंद. आधुनिक हिंदी नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश, जगतपुरी, प्रकाशन, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा॰ लि॰ नई दिल्ली,2003.
7. चातक, गोविंद.हिंदी नाटक इतिहास के सोपान, तक्षशिला, नई दिल्ली, 2002.
8. जैन, नेमिचंद्र. मोहन राकेश के संपूर्ण नाटक (संपादन). कश्मीरी गेट, राजपाल ऐंड सन्स, प्रकाशन दिल्ली, 1976.
9. जैन, नेमिचंद्र.रंग परंपरा भारतीय नाट्य में निरंतरता और बदलाव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996.
10. डॉ॰ अज्ञात.भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, साहित्य रत्नालय, कानपुर, 1997.
11. तनेजा, जयदेव.आधुनिक भारतीय रंगलोक, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2006.
12. तनेजा, जयदेव. समसामयिक हिंदी नाटको में चरित्र सृष्टि, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली, 1971.
13. त्रिपाठी, डॉ॰ वशिष्ठ नारायण. भारतीय लोकनाट्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2001.
14. परमार, श्याम. लोकधर्मी नाट्य परंपरा, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 1956.
15. प्रसाद, डॉ॰ प्रसून.मोहन राकेश के नाटक : एक मूल्यांकन, आधार प्रा॰ लि॰ हरियाणा, 2008.
16. प्रेमलता.आधुनिक हिंदी नाटक और भाषा की सृजनशीलता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993.
17. रस्तोगी, गिरीश, मोहन राकेश और उनके नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1975.
18. रस्तोगी, डॉ॰ गिरीश,समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना, साहित्य अकादेमी, हरियाणा, 1990.
19. राकेश.अनीता, सतरें और सतरें, राधाकृष्ण, प्रा॰ लि॰ दिल्ली, 2002.
20. रानी, डॉ॰ गुरदीप,मिथक सिद्धांत और स्वरूप, बुकमार्ट पब्लिशर्स, दिल्ली, 2009.
21. राय, डॉ॰ नरनारायण,रंगशिल्पी मोहन राकेश, कादंबरीप्रकाशन, नई दिल्ली, 1991.
22. सिंह, डॉ॰ राजेश्वरप्रसाद.मोहनराकेशकानाट्यशिल्प: प्रेरणाएवंस्रोत, अमितप्रकाशन, ग़ाज़ियाबाद, 1992.

अधिगम परिणाम	1. नाटक के विकास से परिचित होंगे। 2. रंगमंच के विकास से परिचित होंगे। 3. नाटककारों के समकालीन परिवेशसे अवगत होंगे। 4. हिंदी नाटकों के कला एवं भाषिक पक्ष से अवगत होंगे।

कार्यक्रम : **स्नातक हिंदीMINOR COURSE**

पाठ्यक्रम : **HIN-412**

पाठ्यक्रम का शीर्षक :**समकालीन हिंदी कविता: व्यावहारिक समीक्षा**
(Contemporary Hindi Poetry: Practical Criticism)

श्रेयांक : **04 (60)**

शैक्षणिक वर्ष से लागू : **2026 -27**

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	Nil	
उद्देश्य	1. समकालीन हिंदी कविता की संवेदना एवं स्वरूप से अवगत कराना। 2. समकालीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियों से परिचित कराना। 3. समय और समाज के यथार्थ को कविता के माध्यम से समझाना। 4. समकालीन हिंदी कविता की भाषिक संरचना से अवगतकराना।	
पाठ्य विषय		**घंटे**
	1. समकालीन हिंदी कविता : अवधारणा एवं स्वरूप ● समकालीन हिंदी कविता : प्रवृत्तियाँ ● विविध काव्यांदोलन	**10**
	2. चयनित कवि एवं उनकी कविताएँ : 1. रघुवीर सहाय • बसंत • हँसो-हँसो जल्दी हँसो • आत्महत्या के विरुद्ध • हिंसा • लोग भूल गए हैं	**10**
	2.धूमिल • मकान • शांति पाठ • रोटी और संसद • प्रौढ़ शिक्षा • पटकथा	**10**
	3.दुष्यंत कुमार • कहाँ तो तय था चिराग़ाँ हरेक घर के लिए • अगर ख़ुदा न करे सच ये ख़्वाब हो जाए • चाँदनी छत पर चल रही होगी • भूख है तोसब्र कर रोटी नहीं तो क्या हुआ • अपाहिज व्यथा को वहन कर रहा हूँ	**10**

	4. राजेश जोशी • मारे जाएँगे • नाना की साइकिल • कंधे • आठ लफ़्ंगों और एक पागल औरत का गीत • प्लेटफ़ॉर्म पर	**10**
	5. कात्यायनी • स्त्री का सोचना एकांत में • एक दिन तुम आना • वाहक जीवन-दाह • अपराजिता • शहर को चुनौती	**10**
अध्यापन विधि	व्याख्यान,चर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण, स्वाध्याय, दृश्य श्रव्य	
आधार ग्रंथ	**1.** कात्यायनी. सात भाइयों के बीच चंपा. आधार प्रकाशन, पंचकुला, 1999. **2.** कुमार, दुष्यंत. साये में धूप, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013. **3.** जोशी, राजेश. नेपथ्य में हँसी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1994. **4.** धूमिल. संसद से सड़क तक, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली, 1992. **5.** सहाय, रघुवीर. प्रतिनिधि कविताएँ(सं॰).सुरेश शर्मा. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,2012.	
संदर्भ ग्रंथ	**1.** कुमार, विजय (सं॰). सदी के अंत में कविता : उद्भावना कवितांक. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, अक्तूबर 1997 - मार्च 1998. **2.** चतुर्वेदी, रामस्वरूप: नई कविताएँ : एक साक्ष्य, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1990. **3.** जैन निर्मला: आधुनिक साहित्य: मूल्य और मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1993. **4.** तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद. समकालीन हिंदी कविता. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010. **5.** नवल, नंदकिशोर. समकालीन काव्य-यात्रा. किताबघर, नई दिल्ली, 1994. **6.** पांडेय, डॉ॰ रतन कुमार. समकालीन कविता संवेदना और शिल्प, संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1996. **7.** पांडेय, डॉ॰ सुरेशचंद्र, तिवारी, डॉ॰ उमाशंकर (सं॰). समकालीन काव्य. संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1998. **8.** 'मानव' विश्वंभर, शर्मा, रामकिशोर. आधुनिक कवि, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2008. **9.** मिश्र, ब्रह्मदेव और मिश्र, शिवकुमार (सं॰). धूमिल की श्रेष्ठ कविताएँ, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018.	

	10. मिश्र, रवींद्रनाथ. अंतिम दशक की हिंदी कविता. लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2013. **11.** शर्मा, श्रीनिवास. हिंदी साहित्य : समकालीन परिदृश्य. नवागत प्रकाशन, कलकत्ता, 1988. **12.** श्रीवास्तव, परमानंद. समकालीन हिंदी कविता. साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, 2021.
अधिगम परिणाम	**1.** समकालीन हिंदी कविता की संवेदना को सामझेंगे। **2.** समकालीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे । **3.** समकालीन हिंदी कविता के विभिन्न कवियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। **4.** समकालीन हिंदी कविता की भाषिक संरचना से अवगत होंगे।